हरिभूमि

महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि

रोहतक, रविवार, 7 जनवरी 2024

11 आमजन तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना यात्रा का उद्देश्य

12 रोडवेजः 21 बसों को एक माह से बीमा व पासिंग का इंतजार

सड़क निर्माण से कई गांवों को होगा फायदा, वर्षों से टूटी हैं दोनों सड़क

सुरहेती-सतनाली व सतनाली-बारड़ा सड़क मार्ग पर खर्च होंगे 2.70 करोड़

सतनाली से बारड़ा सड़क में करीब 1.66 करोड़ व सतनाली से सुरेहती मोड़ियान सड़क पर खर्च होंगे 95 लाख

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

मार्केट कमेटी की ओर से सतनाली से बारड़ा व सतनाली से सुरेहती मोड़ियाना जाने वाली सड़क का निर्माण किया जाएगा। दोनों सड़क का बजट मंजूर कर दिया गया है। जल्द ही दोनों गावों में सड़क का निर्माण कार्य शुरू होगा।

सतनाली से गांव सुरेहती मोड़ियान जाने वाली सड़क की हालात काफी खस्ता हैं। टूटी सड़क के कारण ग्रामीण करीब 15 वर्ष से परेशानी उठा रहे हैं। सड़क में बने गहरे गड्ढों के कारण वाहन चालकों को भी आवागमन में परेशानी उठानी पड़ रहीं हैं। बारिश के बाद सड़क में ओर भी गहरे गड्ढे हो चुके हैं। गहरे गड्ढों के कारण कभी भी बड़ा हादसा हो सकता हैं। इसी तरह सतनाली से बारड़ा जाने वाली सड़क की हालात भी काफी खस्ता हैं। ग्रामीण वर्षों से सड़क का निर्माण करने की मांग कर रहे हैं। सड़क का दोबारा से निर्माण होने के बाद ग्रामीणों को काफी फायदा होगा।

महेंद्रगढ़। मार्केट कमेटी कार्यालय। फोटो: हरिभूमि

जल्द शुरू होगा निर्माण कार्य

मार्केट कमेटी के जेई आशुतोष यादव ने बताया कि सतनाली से बारड़ा व सतनाली से सुरहेती मोडियान जाने वाली सड़क का बजट मंजूर हो चुका है। जल्द ही दोनों गांवों की सड़क का निर्माण कार्य शुरू होगा। सड़क का निर्माण होने के बाद ग्रामीणों को काफी फायदा मिलेगा। जिले की 94 सड़क को मार्केट कमेटी से जिला परिषद् का सौंपा गया है।

सतनाली से बारड़ा जाने वाली 5 किलोमीटर की सड़क के निर्माण में करीब 1.66 करोड़ रुपये की लागत आएगी। वहीं सतनाली से सुरेहती मोडियान जाने वाली 3.5 किलोमीटर की सड़क में करीब 95 लाख रुपये की राशि खर्च की जाएंगी। सतनाली से बारड़ा जाने वाली सड़क का निर्माण होने के बाद कई गांवों को फायदा मिलेगा।

94 सड़क जिप को ट्रांसफर

प्रदेश में मार्केट कमेटी की सड़कों को जिला परिषद में ट्रासंफर किया जा रहा है। पहले चरण में 11 जिलों की 1260 सड़कों को जिला परिषद को सौंपा गया हैं। जिसमें महेंद्रगढ़ जिला की 94 सड़कें शामिल हैं। मार्ग से कनेक्टवीटी बढ़ जाएंगी। इसके अलावा सतनाली से सुरहेती मोडियान जाने वाली सड़क का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद कई गांवों को फायदा मिलेगा।

ठंड में लोगों को मिलेगा आश्रय, छह रैन बसेरे बनाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

- सीएमओ रैडक्रॉस को उपलब्ध करवाएं एक एंबुलेंस

सर्दी के मौसम को देखते हुए लोगों को ठंड से बचाने के लिए प्रशासन की ओर से जिले में छह रैन बसेरे चलाए जा रहे हैं। डीसी मोनिका गुप्ता ने बताया कि शहरी निकाय विभाग की ओर से बस स्टैंड नारनौल व नागरिक अस्पताल के पास, अटेली शहर में नगर पालिका के पुराने भवन में स्थित सामुदायिक केन्द्र में, महेंद्रगढ़ शहर में नगर पालिका भवन में, नांगल चौधरी में चौधरी बैजनाथ कॉम्पलैक्स व कनीना शहर में पुराने नगर पालिका भवन में गरीबों व निराश्रितों के ठहरने के लिए रैन बसेरे चल रहे हैं।

डीसी मोनिका गुप्ता ने कार्यकारी अधिकारी, सबंधित सचिव नगर परिषद व नगर पालिका को निर्देश दिए हैं कि इन रैन बसेरों में गरीबों व निराश्रितों के लिए पर्याप्त मात्रा में चारपाई, गद्दे, रजाई, कम्बल, चाय-पानी, पीने के पानी, टॉयलेटस इत्यादि की व्यवस्था तथा प्रत्येक शहर में भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर इन रैन बसेरों की लोकेसन से संबंधित साईन बोर्ड लगवाना सुनिश्चित करेंगे। इसके अलावा सिविल सर्जन जिला रेडक्रॉस समिति को एक एंबुलैंस उपलब्ध करवाएंगे। जिसके माध्यम से जिला रेडक्रॉस समिति के स्वयंसेवकों के साथ शहर में रात सात बजे से रात नौ बजे गश्त करवाकर निराश्रितों को इन रैन बसेरों में पहुंचाना सुनिश्चित करेंगे तथा साथ ही पुलिस पैट्रोलिंग पार्टी भी रात के समय घूमने वाले निराश्रितों को इन रैन बसेरों में पहुंचाएंगे, ताकि शहर में घूमने वाले निराश्रितों को इन रैन बसेरों में पहुंचाया जा सकें।

फार्मासिस्टों ने लंबित मांगों को लेकर डीजी हेल्थ के नाम सौंपा ज्ञापन

मंडी अटेली। गवर्मेंट फार्मासिस्ट एसोसिएशन ने अपनी लंबित मांगों को लेकर स्वास्थ्य महानिदेशक के नाम सिविल सर्जन डा. रमेश चंद्र आर्य को ज्ञापन सौंपा। जिला प्रधान व मंडी अटेली अस्पताल के फार्मेसी अधिकारी भीम सिंह ने बताया कि सरकार की अनदेखी के कारण प्रदेशभर के फार्मेसी वर्ग के आफिसर में रोष है। जोखिम भत्ता पदोन्नती चैनल, 4600 ग्रेड पे, ग्रुप बी राजपत्रित का दर्जा देने बारे एवं नये पद सृजित करने बारे बहुत सी मांगें लंबित हैं। सरकार इस मेहनती वर्ग की अनदेखी कर रही है।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर कट की मांग को लेकर ग्रामीणों का धरना जारी

कनीना। नारनौल-कुरुक्षेत्र राष्ट्रीय राजमार्ग 152-डी पर सेहलंग-बाघोत के बीच वाहनों के प्रवेश मार्ग बनाने की मांग को लेकर ग्रामीणों की ओर से शुरू किया गया अनिश्चितकालीन धरना शनिवार को 300वें दिन भी जारी रहा। जिसकी अध्यक्षता रणधीर पहलवान बागोत ने की। उन्होंने कहा कि पिछले 10 माह से जारी धरने को लेकर सरकार की ओर से कट बनाने का आश्वासन मिला, लेकिन कार्य शुरू नहीं किया गया। प्रधान विजय सिंह ने बताया कि कड़ाके की ठंड के बीच ग्रामीण धरना देने पर मजबूर हैं।

डीएसएसएसबी में विभिन्न पदों के फॉर्म आमंत्रित

नारनौल। दिल्ली में बाहरवीं पास युवाओं के लिए जॉब का शानदार मौका है। दिल्ली सबऑर्डिनेट सर्विस सेलेक्शन बोर्ड ने नॉन टीचिंग पदों पर भर्ती निकाली है। इसके तहत लोअर डिवीजन क्लर्क, जूनियर असिस्टेंट, स्टेनोग्राफर, जूनियर स्टेनोग्राफर हिंदी व अंग्रेजी, लोअर डिवीजन क्लर्क कम टाइपिस्ट, जूनियर स्टेनोग्राफर, स्टेनोग्राफर के पदों पर वैकेंसी निकाली गई है। इनमें जूनियर असिस्टेंट व स्टेनोग्राफर के पदों को भरने के लिए एजुकेशन क्वालिफिकेशन बाहरवीं पास मांगी गई है। डीएसएसएसबी अधिसूचना के अनुसार नॉन-टीचिंग पदों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण नौ जनवरी से शुरू होगा और सात फरवरी को समाप्त होगा। इन पदों पर आवेदन करने के लिए उम्मीदवरों को आधिकारिक वेबसाइट डीएसएसएसबी डॉट दिल्ली डॉट जीओवी डॉट इन पर जाकर नोटिफिकेशन चेक करना होगा।

11 हजार किसानों की केवाईसी पेंडिंग, अंतिम मौका

नारनौल। केंद्र सरकार की ओर से किसानों को आर्थिक सहायता देने के लिए कई तरह की स्कीम चलाई जा रही है। इन स्कीम में से एक पीएम किसान सम्मान निधि योजना है। इस योजना में किसानों को सालाना छह हजार रुपये का लाभ दिया जाता है। यह राशि किसानों को किस्त के आधार पर दी जाती है। इसके लिए किसानों को ई-केवाईसी करवाना अनिवार्य कर दिया है। किसानों को अपने अपने गांव में स्थापित सीएससी सेंटर से केवाईसी करवानी होगी। विभाग की ओर से सीएससी यूजर पर गांवों की पेंडिंग लिस्ट उपलब्ध करवा दी गई है। जिन किसानों की केवाईसी पेंडिंग है उनको सम्मान निधि की अगली किस्त जारी नहीं की जाएगी। केवाईसी ओटीपी व बायोमेट्रिक दोनों से करवा सकते है।

सीएससी के माध्यम से करवाए ई-केवाईसी : सीएससी प्रबंधक सचिन यादव ने बताया कि सभी किसान सीएससी के माध्यम किसान सम्मान निधि की ई-केवाईसी करवा सकते है। सभी सीएससी संचालकों को गांव वाइज पेंडिंग किसानों की सूची उपलब्ध करवा दी गई है। जिन किसानों के आधार कार्ड में फोन नंबर रजिस्टर्ड नहीं है, वो बायोमेट्रिक माध्यम से ई-केवाईसी करवा सकते है।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम स्थल का जायजा लेते पूर्व मंत्री रामबिलास शर्मा।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष नायब सैनी का नागरिक अभिनंदन आज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

सब्जी मंडी में रविवार को 11 बजे जिला भाजपा द्वारा नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष नायब सैनी, राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़, केंद्रीय संसदीय बोर्ड की सदस्या और पूर्व सांसद डॉ. सुधा यादव के नागरिक अभिनंदन समारोह आयोजित किया जाएगा। पूर्व कैबिनेट मंत्री व भाजपा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रामबिलास शर्मा ने बताया की सब्जी मंडी में होने वाले सभी भाजपा के कार्यक्रम ऐतिहासिक होते हैं।

- रविवार सुबह सब्जी मंडी में होगा कार्यक्रम, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. सुधा यादव, ओपी धनखड़ का भी होगा नागरिक अभिनंदन, ऐतिहासिक होने का दावा

इस कार्यक्रम में भी क्षेत्र से काफी संख्या में लोग पहुचेंगे और अपने नेताओं का अभिनंदन करेंगे। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने काफी मेहनत की है। भाजपा जिला महामंत्री अमित मिश्रा ने बताया कि नगर को चारों तरफ से भाजपा के झंडों से सजाया गया है और समारोह को भव्य बनाने के लिए सभी और तौरान द्वारा लगाए गए हैं। समारोह में आने वाले सभी लोगों को किसी भी तरह की कोई परेशानी न हो उसके लिए सुव्यवस्थित तरीके से सभी व्यवस्था की गई है। इस कार्यक्रम से भाजपा द्वारा लोकसभा और विधानसभा का चुनावी शंखनाद किया जाएगा। उन्होंने इलाके की जनता से भारी संख्या में कार्यक्रम में शामिल होने का आग्रह किया है।

Genius® Academy Pvt. Ltd.
सबसे तेज सबसे आगे...

जीनियस एकेडमी

2800+ Selections

हरियाणा की सर्वश्रेष्ठ एकेडमी

Heartist Congratulations!!!

एक बार फिर से धमाका

दिल्ली पुलिस परीक्षा परिणाम में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

80+

राजेश गोरिर 2216006345
अमन विजयनगर 2405038984
अंशु देवनगर 2215015109
आशिष आदलपुर 2201148973
बिजेन्द्र बारड़ा 2201109825
धर्मेन्द्र चौरोड़ी 2215081986
हिमांशु भगड़ाना 2215088487
हिमांशु सिगड़ा 2215077146
ललित महेन्द्रगढ़ 2215002868
मनीष बेरी 2215015190
मानवेंद्र कोथल खुर्द 2214017261
मुकेश पडतल 2230086848
नवीन कनीना 8201001925
पंकज कोसली 2215053744
पवन महेन्द्रगढ़ 2201049953
राजेन्द्र पिचौपा खुर्द 2214006099
आकाश झगडौली 2218045024
रविन्द्र बवाना 2230054541
साहिल घसेड़ा 2215095330
सतीश महेन्द्रगढ़ 2214044989
शिवम सोहली 2215007881
सोनू झोझूखुर्द 2218017311
सुनील बलाना 2201124263
सुरेन्द्र कुराहवटा 2214014594
विकाश ढाणी बिरण 2215018125
विपिन कोथल 2230059601
कुलदीप बुडीन 2215053048
अमीषा सुरजनवास 2201005016
अनामिका मालड़ा 2201010564
अंचल ऊंचीभांडोर 2201344832
पूनम गादड़वास 2201164204
भतेरी नीची भांडोर 2201118067
भावना कौथल खुर्द 2201014633
दिव्या भगड़ाना 2201025685
हिमांशी नारनौल 2201189783
किरण बवाना 2201222099
मधु गढ़ी कनीना 2201383567
मनीषा रिवासा ,2201058246
मीना सेहलंग 2405140186
मेनका बसई 2201114404
मोनिका जाटवास 2201109112
मोनिका माजरा कला 2201295987
मोनिका नावदी 2201336486
मुस्कान नांगल सिरोही 2201246851
नीलम राजावास 2201053165
नीतू खेड़ा 2201117777
निशा चितलांग 2201346232
निशा खातौद 2201044161
पायल नांगल हरनाथ 2201266746
पिंकी महेन्द्रगढ़ 2405114341
पूजा देवास 2201126102
पूजा मोहलड़ा 2201338318
पूजा पाथेरा 2405128594
पूनम बेरी 2201144452
प्रीति बोहरा की ढाणी 2201246315
प्रीति मालड़ा सराय 2201115755
प्रियंका रिवासा 2201211264
प्रियंका हमीदपुर 2201275293
प्रियंका राजावास 2201270273
रमेश देवास 2201248112
रिना मांडोला 2201039070
रेनू कौथल खुर्द 2201103448
संजीता जोनावास 2201270284
संजू कारोली 2201150632
सपना भोजावास 2201299850
सपना कौथल कला 2201297679
साक्षी करीरा 1402012042
शिक्षा नांगल सिरोही 2201201286
श्यामली महेन्द्रगढ़ 2201096965
सुनीता नांगल सिरोही 2201308497
सुनीता पाली 2201148390
टीना झगडौली 2201138266
वंदना ऊंची भांडोर 2201008821
याशिका कनीना 2201378067
अंशु पहाड़वास 2201368852
अंजली पहाड़वास 2201267387
अलका बघीनी 2201312185
चाहत डालनवास 2201380780
निशांत सोहला 2218002013
एकता थाना नारनौल 2201368602

KAUN BANEGA GENIUS #KBG
अपने G.K. के ज्ञान से 11000 रुपये जितने का सुनहरा मौका...

KAUN BANEGA Genius कौन बनेगा

KBG का पहला सवाल आज 7 जनवरी, 2024 को
प्रात: 11 बजे हमारे YouTube Channel
GENIUS ACADEMY MAHENDERGARH पर पूछा जायेगा।

New Batches Starts : HARYANA POLICE, SSC (GD, CPO, CGL), HSSC CET, DSSSB, UP POLICE, RAILWAY

9466499025, 9416499025, 8397850777

Director Amit Yadav

Follow Us On
YouTube GENIUS ACADEMY MAHENDERGARH

शेयर खरीदने के बाद रहें बेफिक्र
भाव गिरे तब भी फायदे में रहोगे

हर सौदे में नुकसान से बचने के लिए हेजिंग करना जरूरी ● स्टॉक मार्केट में हेजिंग का मतलब रिस्क मैनेजमेंट स्ट्रेटेजी ● यह आपको बड़े नुकसान से बचाने में हर हाल में सक्षम ● शेयरों में पैसा लगाना बाजार जोखिमों के अधीन होता है ● फ्यूचर एंड ऑप्शन में कॉल और पुट की एक्सपायरी भी ● इसकी अवधि एक माह तक हो सकती है ● आप हर माह अपनी कैश पॉजिशन को नुकसान से बचा सकते हैं

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में पैसा लगाते वक्त एक डर हमेशा निवेशकों के मन में रहता है कि कहीं स्टॉक गिर तो नहीं जाएगा। यह चिंता बड़े निवेशकों को बहुत रहती है, क्योंकि जो व्यक्ति बाजार में 10 लाख, 1 करोड़ या उससे ज्यादा पैसा लगाता है तो शेयरों में गिरावट होने का डर लाजिमी है, लेकिन, शेयरों में करोड़ों रुपये लगाने वाले इन्वेस्टर्स नुकसान से बचने के लिए बीमा भी करा लेते हैं। आप सोचेंगे कि शेयर खरीदने पर कौन-सा इंश्योरेंस होता है हमने तो आज तक नहीं सुना। आपने नहीं सुना इसका यह मतलब नहीं है कि ऐसा नहीं होता है। चूंकि शेयरों में पैसा लगाना बाजार जोखिमों के अधीन है और जहां रिस्क है वहां खुद को सिक्योर करना बहुत जरूरी है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए शेयर बाजार में फ्यूचर एंड ऑप्शन के कॉन्सेप्ट को लाया गया है, जिन्हें हेजिंग टूल कहा जाता है। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएं कि कि एफ एंड ओ यानि फ्यूचर एंड ऑप्शन क्या है। इसके क्या लाभ हैं। यह कैसे शेयर का भाव गिरने पर भी नुकसान नहीं होन देता।

जरा सोचिये, 13 लाख रुपये कितनी बड़ी रकम होती है और वह हम ऐसे बाजार में रखते हैं जहां रिस्क और रिवॉर्ड दोनों मिलते हैं। जिस तरह हम महंगी गाड़ी खरीदने पर इंश्योरेंस कराते हैं और कीमती जेवरों की सुरक्षा के लिए उन्हें लॉकर में रखते हैं, इन दोनों कामों के लिए हमें प्रीमियम या किराया देना होता है। ठीक उसी तरह फ्यूचर एंड ऑप्शन में प्रीमियम अदा करके अपनी 13 लाख रुपये की पॉजिशन को हेज कर सकते हैं।

क्या होती है हेजिंग

बाजार के जानकारों का कहना है कि स्टॉक मार्केट में हेजिंग का मतलब रिस्क मैनेजमेंट स्ट्रेटेजी यानी जोखिम प्रबंधन रणनीति है। इसका इस्तेमाल निवेशकों द्वारा शेयरों की कीमत में होने वाले से संभावित नुकसान को कम करने के लिए किया जाता है। हेजिंग की सुविधा शेयर, बॉन्ड, कमोडिटी और करेंसी सभी मार्केट में उपलब्ध है। इसे असानी से लिया जा सकता है। इसके कई प्रकार के लाभ होते हैं।

जोखिम से बचाने वाला बीमा

मान लीजिये आपने बहुत रिसर्च करके कोई शेयर खरीदा और आप आश्वस्त हैं कि आने वाले दिनों में शेयर का भाव बढ़ेगा, लेकिन, बाजार में इसकी कोई गारंटी नहीं होती है। एक बुरी खबर से शेयर औंधे मुंह गिर जाते हैं। ऐसे में अपनी पॉजिशन को हेज करना बहुत जरूरी है। मान लीजिये आप कोई भी स्टॉक खरीदते हैं, जिसका भाव 130 रुपये है। अगर आपने 130 के भाव से 10,000 शेयर खरीदे यानी कुल 13 लाख रुपये का निवेश किया।

आसानी के कर सकते हैं

फ्यूचर एंड ऑप्शन में पुट या कॉल ऑप्शन खरीद या बेचकर कैश मार्केट की पॉजिशन को आसानी से हेज किया जा सकता है। हालांकि, कॉल और पुट खरीदने में सिर्फ प्रीमियम देना होता है जो काफी कम होता है, जबकि सेल करने के लिए मार्जिन लगता है जो काफी ज्यादा होता है। इसलिए निवेशक कम पैसे में अपने निवेश किए गए रुपयों को आसानी से हेज कर सकते हैं और होने वाले नुकसान से बच सकते हैं।

यह भी कर सकते हैं

निवेशकों ने जिस स्टॉक के लिए 130 के भाव पर 10,000 शेयर खरीदे हैं। अगर शेयर गिरा तो नुकसान से बचने के लिए आप इस स्टॉक के 130 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का पुट ऑप्शन खरीद सकते हैं, जिसका भाव इस बाजार तक 4 रुपये तक चल रहा है और इसका लॉट साइज 10,000 है। आपको 40,000 रुपये का प्रीमियम देना होगा। यानी 13 लाख की कैश पॉजिशन में होने वाले नुकसान से बचने के लिए आपने 40,000 में पुट ऑप्शन खरीद लिया।

ऐसे होता है प्रॉफिट

अब आप देखिये कैश पॉजिशन में 1 लाख का प्रॉफिट होता है और पुट ऑप्शन में 40,000 का नुकसान भी हो जाए तो भी आप 60,000 के मुनाफे में रहेंगे। वहीं, अगर शेयर का भाव गिरकर 120 रुपये आ जाता है तो पुट ऑप्शन का प्रीमियम बढ़ेगा। ऐसे में कैश पॉजिशन में आपको 1 लाख का नुकसान होगा। वहीं, पुट का प्रीमियम बढ़कर 4 रुपये से बढ़कर 14 रुपये पहुंच जाता है तो यहां आपको 1 लाख रुपये का प्रॉफिट होगा यानी कैश पॉजिशन में 1 लाख का नुकसान और पुट ऑप्शन में 1 लाख का प्रॉफिट होने पर 'नो लॉस नो प्रॉफिट' रहेगा। अगर पुट का प्रीमियम 14 से बढ़कर 16 रुपये हुआ तो उल्टा आप 20,000 के प्रॉफिट में रहेंगे। हालांकि, फ्यूचर एंड ऑप्शन के जरिए हेजिंग करने के लिए शेयरों की चाल पर नजर रखना बहुत जरूरी है, जिस दिशा में शेयर बढ़े उसके हिसाब से पॉजिशन को काटना जरूरी है, ताकि ज्यादा से ज्यादा मुनाफा हासिल किया जा सके। बता दें कि फ्यूचर एंड ऑप्शन में कॉल और पुट की एक्सपायरी होती है, जिसकी अवधि एक माह होती है। आप हर माह अपनी कैश पॉजिशन को हेजिंग के जरिए नुकसान से बचा सकते हैं।

एक दो नहीं, बल्कि 5 तरह की होती हैं एसआईपी

बिजनेस डेस्क

बिजनेस डेस्क। शेयर बाजार में निवेश करने वालों के लिए यह जानना बेहद जरूरी है कि एसआईपी कितने प्रकार की होती है, एसआईपी के बार में सुना तो लगभग सभी ने होगा, लेकिन यह बात कम ही लोग जानते हैं कि एसआईपी भी कई तरह की होती है। बाजार के जानकारों का कहना है कि एसआईपी करीब पांच प्रकार की होती है। इसमें निवेश करना बेहद फायदेमंद माना जाता है। यह आपको 10 से 30 फीसदी तक का रिटर्न देकर मालामाल करने में सक्षम होती है। जब कभी बात निवेश की आती है तो आपने अक्सर लोगों को ये सुझाव देते सुना होगा कि एसआईपी शुरू कर लो। एसआईपी यानी सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान। इसके तहत आप हर महीने एक तय रकम किसी म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं। हालांकि, ये बात कम ही लोग जानते हैं कि एसआईपी भी कई तरह की होती है। आइए जानते हैं कितनी तरह की होती है एसआईपी और कैसे करती है काम।

क्षमता के हिसाब से निवेश कर कमा सकते हैं अच्छा पैसा

एसआईपी 10 से 30 फीसदी तक का रिटर्न देने में सक्षम

सालाना आधार पर एसआईपी की रकम को बढ़ाते जाएं

1. रेगुलर एसआईपी

सबसे पहली है रेगुलर एसआईपी, जिसके तहत आप हर महीने एक तय रकम निवेश करते हैं। यह आप हर महीने, तिमाही या छमाही आधार पर कर सकते हैं। आपके पास ये विकल्प होता है कि आप तारीख खुद से चुन सकते हैं।

2. स्टेप-अप एसआईपी

इस एसआईपी के तहत आपको एक तय अवधि में एसआईपी को बढ़ाने की सुविधा मिलती है। जैसे सालाना आधार पर आप एसआईपी की रकम को बढ़ा सकते हैं। मान लीजिए कि आप हर महीने 10 हजार रुपये की एसआईपी करते हैं, तो इसके तहत आप उसे

हर साल 10 फीसदी या 5 फीसदी जो भी आप चाहे उस दर से बढ़ा सकते हैं. इसके तहत आपका निवेश ऑटोमेटिक तरीके से बढ़ता चला जाता है।

3. फ्लेक्सिबल एसआईपी

इसके बाद नंबर आता है फ्लेक्सिबल एसआईपी का, जिसके तहत आप अपनी एसआईपी में कुछ बदलाव कर सकते हैं। उदाहरण के लिए आप एसआईपी की रकम बढ़ा सकते हैं या घटा सकते हैं। हालांकि, अगर आप ऐसा कुछ करना चाहते हैं तो इसके लिए आपको अपने फंड हाउस को एसआईपी कटने की तारीख से करीब हफ्ते भर पहले बताना होगा।

4. ट्रिगर एसआईपी

यह सबसे दिलचस्प एसआईपी है। इसमें आप पैसे, समय और वैल्युएशन के आधार पर तय कर सकते हैं कि कब एसआईपी ट्रिगर होगी। आप इसके लिए पहले से ही कंडीशन लगा सकते हैं। जैसे अगर कीमत के आधार पर बात करें तो आप कंडीशन लगा सकते हैं कि जब एनएवी 1000 रुपये से अधिक हो जाए तो ट्रिगर एसआईपी शुरू हो जाए। वहीं, आप ये भी तय कर सकते हैं कि अगर एनएवी 1000 रुपये से कम हो जाए तो आपके कुछ अतिरिक्त पैसे एसआईपी में लगने लगें। इसी तरह से समय और वैल्युएशन के आधार पर भी ट्रिगर एसआईपी को प्लान किया जा सकता है।

5. इंश्योरेंस के साथ एसआईपी

ये वह एसआईपी होती है, जिस पर आपको टर्म इंश्योरेंस कवर भी मिलता है। अलग-अलग फंड हाउस में यह अलग-अलग तरीके से हो सकती है। कुछ इसके तहत पहली एसआईपी के अमाउंट का 10 गुना तक इंश्योरेंस कवर देते हैं, जो बाद में बढ़ता जाता है। यह फीचर सिर्फ इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में मिलता है और इस पर एक कैपिंग होती है, जैसे 50 लाख रुपये।

इन्वेस्टमेंट जल्दी शुरू करें

जल्दी इन्वेस्टमेंट से मतलब है, कम उम्र में निवेश शुरू कर देना। ऐसा करके आप एसआईपी में ज्यादा टाइम तक इन्वेस्ट कर रिटर्न के रूप में बड़ा अमाउंट पा सकते हैं। एसआईपी में जितना दिन आपका इन्वेस्टमेंट रहेगा, आपको उतनी ही ज्यादा कंपाउंडेड रिटर्न मिलेगा। इसलिए 20 से 30 साल की उम्र के बीच इन्वेस्टमेंट शुरू कर दें।

रेगुलर इन्वेस्टमेंट करें

रेगुलर इन्वेस्टमेंट से एक फाइनेंशियल डिसिप्लिन मेंटेन होता है। इसका एक और फायदा है-अगर आप रेगुलर इन्वेस्टमेंट करते हैं, तो कई बार औसत लागत से ज्यादा फायदा मिल जाता है। इसका मतलब यह है कि अगर कीमतें कम होती हैं, तो आप ज्यादा यूनिट खरीदते हैं और जब कीमतें ज्यादा होती हैं तो आप कम यूनिट खरीदते हैं। इस तरह के एसआईपी करने से शेयर बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव का जोखिम कम हो जाता है।

सही फंड का चयन करें

म्यूचुअल फंड से बेहतर रिटर्न के लिए सही फंड चुनना काफी जरूरी है। वैसे म्यूचुअल फंड का चयन करें जो आपके फाइनेंशियल गोल के हिसाब से हों। इसके अलावा मार्केट के रिस्क और फंड की ग्रोथ के अनुमान को देख कर ही उसका चयन करें।

पोर्टफोलियो को डायवर्सिफाई करें

पोर्टफोलियो को डाइवर्स रखने से आप मार्केट के रिस्क से भी बच जाते हैं और रिटर्न भी बेहतर मिलने की संभावना बढ़ा जाती है। इसलिए इक्विटी, डेट, गोल्ड, रियल एस्टेट और दूसरे फंड में इन्वेस्ट करने की सोचें। इससे एक के प्रॉफिट से दूसरे के नुकसान की भरपाई हो जाती है।

समय के साथ अमाउंट बढ़ाएं

जैसे-जैसे आपकी इनकम बढ़ती जाती है, आप अपने इन्वेस्टमेंट के अमाउंट को भी बढ़ाएं। वेल्थ बढ़ाने का यह एक बेहतर तरीका है। इसलिए आप धीरे-धीरे एसआईपी के अमाउंट को बढ़ाकर बढ़ी हुई इनकम का लाभ ले सकते हैं।

सोना या शेयर 2024 में कौन चमकाएगा आपकी किस्मत

अक्सर देखने में आता है कि निवेशकों की निगाह हमेशा ऐसे विकल्पों को खोजती रहती है, जो उन्हें तगड़ा रिटर्न दिला सके। वर्ष 2023 को देखें तो सोना और सेंसेक्स दोनों ने ही जमकर रिटर्न दिया है। ऐसे में निवेशकों के लिए ये दोनो एसेट्स निवेश का बेहतर विकल्प बनकर उभरे हैं। वैसे भी कहा जाता है कि निवेशकों के लिए शेयर और सोना दोनों ही पोर्टफोलियो में रखना फायदेमंद होता है।

बिजनेस डेस्क

साल 2023 निवेशकों के लिए काफी गोल्डन रहा है। शेयर बाजार हो या सोना, दोनों ने ही जमकर रिटर्न दिया। इससे सैकड़ों निवेशक मालामाल हुए हैं। सेंसेक्स ने जहां ऐतिहासिक आंकड़ों को छू लिया तो सोना भी पहली बार 60 हजार के पार पहुंचा। अब बाजार के जानकारों के अनुमान है कि वर्ष 2024 भी निवेशकों को जमकर मुनाफा देकर जाएगर। ऐसे में सवाल उठता है कि इस साल निवेशकों को किस एसेट्स पर ज्यादा दांव लगाना चाहिए, सोने पर या शेयरों में। इस बारे में एक्सपर्ट ने निवेशकों के लिए कई काम की जानकारियां दी हैंए जिससे सारी कंफ्यूजन दूर हो गई। वर्ष 2023 को देखें तो सोना और सेंसेक्स दोनों ने ही जमकर रिटर्न दिया है। ऐसे में निवेशकों के लिए ये दोनो एसेट्स निवेश का बेहतर विकल्प बनकर उभरे हैं। वैसे भी कहा जाता है कि निवेशकों के लिए शेयर और सोना दोनों ही पोर्टफोलियो में रखना फायदेमंद होता है।

- दोनों ही दे रहे एफडी से दोगुना रिटर्न, फिर बेस्ट क्या
- शेयर और सोना दोनों पोर्टफोलियो में रखना फायदेमंद
- शेयर बाजार में करीब 10 हजार अंकों का उछाल दिखा
- बाजार ने अपने निवेशकों को 16 फीसदी का रिटर्न दिया
- गोल्ड में पैसे लगाने वाले को 15 फीसदी का रिटर्न मिला

बाजार ने पिछले साल 16 फीसदी रिटर्न दिया

अगर हम 2023 पर नजर डालें तो शेयर बाजार में करीब 10,000 अंकों का उछाल दिखा है। इसका मतलब है कि बाजार ने अपने निवेशकों को करीब 16 फीसदी का रिटर्न दिया है। इसी तरह, अगर गोल्ड पर नजर दौड़ाई जाए तो 2023 में इस विकल्प में पैसे लगाने वाले को करीब 15 फीसदी का जबरदस्त रिटर्न मिला है। ऐसे में हम 2024 को लेकर एक्सपर्ट से शेयर बाजार और सोना दोनों का ही ग्रोथ प्रोजेक्शन लेकर आए हैं, जिससे निवेशकों को यह जानने में आसानी होगी कि वे अपना पैस किस विकल्प में लगाएं।

शेयर बाजार फिर देगा तगड़ा रिटर्न

इक्विटी और शेयर बाजार के जानकारों का कहना है कि साल 2024 में भी सेंसेक्स का प्रदर्शन जबरदस्त रहेगा। उन्होंने बताया कि 2024 की समाप्ति तक सेंसेक्स 83,250 और निफ्टी 25,000 के आंकड़े को पार कर सकता है। बता दें कि हाल ही में सेंसेक्स 71,434 पर बंद हुआ है। इस हिसाब से देखा जाए तो 2024 में सेंसेक्स करीब 12 हजार अंकों का उछाल हासिल कर सकता है। यह करीब 14.41 फीसदी का रिटर्न हुआ। इससे पहले 2 जनवरी, 2023 को सेंसेक्स 61,168 के स्तर पर बंद हुआ था। यानी शेयर बाजार से निवेशकों को इस साल 14 फीसदी से ज्यादा रिटर्न मिलने का अनुमान है।

सोने पर क्यों लगाएं दांव

एक जानी मानी कमोडिटी फर्म का कहना है कि ग्लोबल मार्केट में जिस तरह के हालात चल रहे हैं और महंगाई ने पूरी दुनिया पर दबाव बना रखा है तो 2024 में भी गोल्ड की कीमतों में तेज उछाल का अनुमान है। उन्होंने कहा कि गोल्ड ने 2023 को 63,203 रुपये के स्तर पर क्लोज किया और अपने निवेशकों को 14.88 फीसदी का जबरदस्त रिटर्न दिया। 3 जनवरी, 2024 को 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने का भाव 63,344 रुपये रहा, जो साल के आखिर तक 72 हजार रुपये तक जा सकता है। इस लिहाज से एक तोला सोना खरीदने वाले को प्रति 10 ग्राम करीब 9 हजार रुपये का फायदा होगा। इसका मतलब है कि गोल्ड पर इस साल 15.2 फीसदी का रिटर्न मिलने का अनुमान है। इसलिए निवेशक गोल्ड में भी पैसा लगाकर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। वैसे भी गोल्ड को निवेश का सबसे अच्छा विकल्प माना जाता रहा है। ऐसे में गोल्ड पर पैसा लगाना काफी लाभकारी साबित हो सकता है।

फिर दोनों में बेस्ट कौन

आंकड़ों से स्पष्ट है कि न शेयर बाजार और सोना दोनों ही दहाई अंकों में रिटर्न दे रहे हैं। दोनों का ही अनुमान लगभग एक जैसा है। ऐसे में निवेशकों को दोनों ही विकल्पों को अपने पोर्टफोलियो में रखना चाहिए। जो निवेशक ज्यादा जोखिम उठाने की क्षमता रखते हैं, उन्हें ज्यादातर पैसे शेयर बाजार में लगाने चाहिएं। वहीं, कम जोखिम की क्षमता रखने वालों को सोने पर दांव लगाना चाहिए। सोने पर इसलिए भी ज्यादा भरोसा है, क्योंकि ग्लोबल मार्केट में चल रही उथल-पुथल को देखें तो सोने की मांग आगे और बढ़ने का अनुमान है। इसके अलावा महंगाई व बढ़ती ब्याज दरों की वजह से भी सोना हॉट कमोडिटी बना रहेगा।

ये फंड दे जाते हैं कम रिस्क में स्टेबल रिटर्न, टैक्स के लिहाज से बेहतर हैं आर्बिट्राज फंड

किन लोगों को करना चाहिए इनमें इनवेस्ट, म्यूचुअल, आर्बिट्राज फंड, कम रिस्क में बेहतर रिटर्न की गारंटी

म्यूचुअल फंड्स से अलग हैं आर्बिट्राज फंड

बिजनेस डेस्क

इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों को आमतौर पर यही सलाह दी जाती है कि किसी फंड में पैसे लगाने के बाद धैर्य के साथ सही समय का इंतजार करें और उसे बेचने का फैसला तभी करें, जब आपके निवेश की वैल्यू पर्याप्त रूप से बढ़ जाए। लेकिन इनवेस्टमेंट का एक तरीका ऐसा भी है, जिसमें फंड मैनेजर इक्विटी में निवेश तभी करता है, जब उसे मुनाफा सामने नजर आ रहा हो। सही मौका मिलते ही वह एक हाथ से निवेश करता है और दूसरे हाथ से बेचकर प्रॉफिट बुक कर लेता है। बाकी तमाम एसेट्स की तुलना में बिलकुल अलग ढंग से काम करने वाले इस फंड का नाम है आर्बिट्राज म्यूचुअल फंड। निवेश की बिलकुल अलग स्ट्रैटजी के कारण इसे इक्विटी में निवेश का सबसे कम जोखिम वाला तरीका भी कहा जा सकता है।

इक्विटी इनवेस्टमेंट के मामले में आर्बिट्राज का मतलब है, किसी एक शेयर की एक समय में दो अलग-अलग बाजारों या एक्सचेंज में दो अलग-अलग कीमतों के बीच मौजूद अंतर का फायदा उठाकर उसकी खरीद-बिक्री करना। मिसाल के तौर पर अगर एक शेयर का दाम एक स्टॉक एक्सचेंज में ज्यादा और दूसरे एक्सचेंज में कम हो, तो उसे एक ही साथ सस्ते बाजार से खरीदकर महंगे बाजार में बेचा जा सकता है और इस तरह फौरन मुनाफा कमाया जा सकता है। इसी तरह स्पॉट मार्केट और फ्यूचर्स मार्केट यानी वायदा बाजार में एक ही शेयर की अलग-अलग कीमत का लाभ भी उठाया जा सकता है।

आर्बिट्राज का फायदा

आर्बिट्राज के जरिए मुनाफा कमाने में दो दिक्कतें हैं- एक तो इसके लिए काफी हुनर और वक्त चाहिए, क्योंकि आपको एक साथ लगातार कई बाजारों और शेयरों पर नजर रखकर आर्बिट्राज के मौके तलाशने पड़ते हैं। दूसरी दिक्कत यह है कि दो बाजारों के बीच शेयरों की कीमतों में अंतर आम तौर पर काफी कम होता है। लिहाजा पर्याप्त मुनाफा कमाने के लिए बार-बार बड़े वॉल्यूम वाली डील करना जरूरी है। किसी आम निवेशक के लिए निजी तौर पर ऐसा करना मुश्किल है। लेकिन आर्बिट्राज फंड में निवेश करके इस स्ट्रैटजी का लाभ लिया जा सकता है।

मौके तलाशते हैं फंड मैनेजर

फंड मैनेजर और उनकी टीम लगातार आर्बिट्राज के मौके तलाशते रहते हैं और बार-बार खरीद-बिक्री करके मुनाफा कमाते हैं। सबसे खास बात यह है कि आर्बिट्राज फंड का मैनेजर किसी इक्विटी में निवेश तभी करता है, जब उसे किसी और मार्केट में मुनाफा दिख रहा हो। लिहाजा, इसमें नुकसान का रिस्क बेहद कम हो जाता है। फंड मैनेजर्स को जब इक्विटी में मुनाफा नहीं दिखता तो वो फंड को शॉर्ट टर्म मनी मार्केट या डेट इंस्ट्रूमेंट्स में पार्क करके रखते हैं, ताकि उस पर कुछ न कुछ रिटर्न मिलता रहे।

टैक्स बेनिफिट

आर्बिट्राज फंड दरअसल हाइब्रिड फंड हैं, जिन्हें टैक्सेशन के लिहाज से इक्विटी फंड की कैटेगरी में रखा जाता है। यानी अगर इसमें किए गए निवेश को 1 साल तक होल्ड करने के बाद निकाला जाए, तो उस पर 1 वित्त वर्ष के दौरान हुए 1 लाख रुपये तक के मुनाफे पर कोई टैक्स नहीं लगता। इससे ज्यादा मुनाफा होने पर 10 फीसदी की दर से लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स लगता है। 1 साल से पहले निवेश निकालने पर होने वाले प्रॉफिट पर 15 फीसदी की दर से शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स देना पड़ता है।

पिछले 1 साल में 8% तक रिटर्न

आर्बिट्राज फंड में निवेश पर जोखिम तो बहुत कम होता है, क्योंकि फंड मैनेजर प्रॉफिट दिखने पर एक बाजार से स्टॉक खरीदकर उसे दूसरे बाजार में बेच देता है, लेकिन ऐसे मौके ज्यादा नहीं मिलते और दो बाजारों में कीमतों का अंतर भी बहुत कम होता है। इसलिए इनमें मिलने वाला रिटर्न भी औसत ही रहता है। पिछले 1 साल में देश के कुछ टॉप आर्बिट्राज फंड ने लगभग 8 फीसदी तक सालाना रिटर्न दिया है। टैक्स बेनिफिट को जोड़ दें तो यह रिटर्न और भी बेहतर नजर आएगा। हालांकि इसे भविष्य के रिटर्न की गारंटी नहीं माना जा सकता।

किसे करना चाहिए निवेश

आर्बिट्राज फंड में निवेश का रिस्क प्रोफाइल डेट फंड की तरह होता है। यही वजह है कि कई आर्बिट्राज फंड बेंचमार्क के तौर पर लिक्विड फंड इंडेक्स का इस्तेमाल करते हैं। आर्बिट्राज फंड उन निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प हैं जो इक्विटी में निवेश करना चाहते हैं, लेकिन जोखिम नहीं उठाना चाहते। उतार-चढ़ाव वाले बाजार में, जोखिम से परहेज करने वाले कई निवेशक अपना पैसा आर्बिट्राज फंड में रखकर औसत रिटर्न ले सकते हैं। अगर आप ऊंचे टैक्स ब्रैकेट में आते हैं, तो टैक्स बचत के लिहाज से आर्बिट्राज फंड में निवेश करना आपके लिए अच्छा विकल्प हो सकता है। पिछले बजट में डेट फंड पर टैक्स बेनिफिट खत्म किए जाने के बाद तो यह और भी आकर्षक ऑप्शन हो गया है। कुछ जानकार यह सलाह भी देते हैं अगर आप अपने सेविंग अकाउंट में ज्यादा पैसे रखते हैं, तो उसका कुछ हिस्सा आर्बिट्राज फंड में लगा सकते हैं।

खबर संक्षेप

शिव मंदिर बगीची में की अन्न कलश की स्थापना

नारनौल। अयोध्या में रामलला प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर आयोजित होने वाले भंडारे के सहयोग हेतु शनिवार को शिव मंदिर बगीची में अन्न कलश स्थापित किया गया। इस अवसर पर शिव मंदिर की मुख्य पुजारी माता लक्ष्मी देवी, आचार्य धर्मचन्द, नरेन्द्र सिंह आदि मौजूद रहे।

बाबा का जागरण व खेल प्रतियोगिताएं संपन्न

मंडी अटेली। सागरपुर में बाबा हरनाम गिरी के मेले में बाबा का जागरण व अनेक खेलकूद प्रतियोगिताएं हुई। मेले में कबड्डी में मोनी हथवाला प्रथम व द्वितीय खेड़ी झज्जर जसोट रही। वॉलीबॉल की विजेता टीम गुरुग्राम हॉस्टल प्रथम तथा उपविजेता रही। इन टीमों को 41 हजार व उपविजेता टीम को 31 हजार का पुरस्कार दिया गया।

मोहल्लों में बांटे राम मंदिर का चित्र व पत्रक

महेंद्रगढ़। अयोध्या में 22 जनवरी को प्रभु श्रीराम के बालरुप नूतन विग्रह को श्रीराम जन्मभूमि पर बन रहे नवीन मंदिर भू-तल के गर्भगृह में विराजित कर प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। इस पावन अवसर पर अपने-अपने घरों, प्रतिष्ठानों, मंदिरों में बड़ी खुशी के साथ दीप जगाकर दीपावली मनाने का निमंत्रण दिया।

महाराणा प्रताप चौक पर झुग्गियों में बांटें गर्म वस्त्र

महेंद्रगढ़। प्रयास श्री बालाजी संस्था द्वारा गत एक माह से नए पुराने गर्म वस्त्र वितरण अभियान जरूरतमंदों तक पहुंचाने के लिए चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में महाराणा प्रताप चौक के पास संस्था द्वारा संचालित सिलाई सेंटर व झुग्गी पाठशाला में बच्चों को स्वेटर वितरित की गई।

वॉलीबाल शूटिंग खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ

महेंद्रगढ़। गांव मेघनवास में बाबा रूपादास वॉलीबाल शूटिंग खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ भाजपा के वरिष्ठ नेता कंवर सिंह यादव ने रिबन काटकर किया। खेल कमेटी व सरपंच जयपाल द्वारा मुख्यातिथि को फूलमाला पहनाकर उनका गांव की तरफ से सम्मानित किया।

संदेश यात्रा का हुआ भव्य स्वागत

महेंद्रगढ़। संत तनसिंह महाराज की जन्मशताब्दी पर क्षत्रिय युवक संघ बेरसियाला (जैसलमेर) द्वारा भारत भ्रमण के लिए जन्म शताब्दी संदेश रथ यात्रा निकाली गई। पूर्व शिक्षामंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा के निवास स्थान सतनाली पहुंचने पर युवा भाजपा नेता गौतम शर्मा एवं नपा प्रधान रमेश सैनी सहित अनेक बीजेपी कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

संदेश यात्रा का सतनाली पहुंचने पर किया स्वागत

सतनाली मंडी। श्री क्षत्रिय युवक संघ के संस्थापक तनसिंह की 100वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह को लेकर चलाई जा रही संदेश यात्रा का सतनाली पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। 28 जनवरी को दिल्ली के नेहरू स्टेडियम में समारोह को आयोजन किया जाएगा।

22 को सार्वजनिक अवकाश घोषित करने की मांग

नारनौल। प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट ने मुख्यमंत्री मनोहरलाल को पत्र भेजकर 22 जनवरी को अयोध्या में प्रभु श्रीरामलला के नवनिर्मित मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर निगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट एक्ट 1881 के तहत सार्वजनिक अवकाश घोषित करने की मांग की है।

लेनिन की पुण्यतिथि पर स्मृति सभा का आयोजन

नारनौल। विश्व के मजदूर वर्ग के महान नेता व कम्युनिस्ट आंदोलन के पथ प्रदर्शक लेनिन की 100वीं पुण्य वार्षिकी पर एसयूसीआई कम्युनिस्ट की ओर से शनिवार को महर्षि बाल्मीकि सभा में स्मृति सभा का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता कामरेड व्रतपाल सिंह ने की। मुख्य वक्ता कामरेड राजेंद्र सिंह ने लेनिन के महान जीवन संघर्ष पर प्रकाश डाला।

यह संघर्ष, इसे आप मजबूती से लेकर चले

देर शाम 4 गांव में पहुंचे डिप्टी सीएम, गांव हित में कई घोषणाएं की

- नांगल काठा व भालोठ सड़क मार्केटिंग बोर्ड से, जल्द होगी अप्रूवल : दुष्यंत चौटाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। गांव चिंडालिया में जनसभा को संबोधित करते डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला।

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला का दो दिवसीय जिला का दौरा शुक्रवार देर शाम चार गांव के बाद सम्पन्न हो गया। इस दौरान डिप्टी सीएम गांव ताजीपुर, चिंडालिया, मोहनपुर व डोहर में पहुंचे। दो गांवों में जनसभा को संबोधित किया और उनकी डिमांड को सुना व पूरा करने की घोषणा की। वहीं गांव डोहर में बाबूलाल आवास पर चाय प्रोग्राम में शामिल हुए। गांव मोहनपुर में वीरचक्र से सम्मानित शहीद महावीरसिंह की पत्नी लक्ष्मीदेवी के निधन पर शोक व्यक्त करने भी पहुंचे। जब गांव ताजीपुर में पहुंचे तो वहां ग्रामीणों को संबोधित करते हुए डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने कहा कि जजपा पार्टी गठन को अभी छह साल का समय हुआ है। इतने कम समय में पार्टी प्रदेश के हर वर्ग से जुड़ गई है। युवा, किसान, महिला व व्यापारी वर्ग के हितों को ध्यान में रखकर पार्टी गठबंधन में रहकर कार्य करने में जुटी है। इस गांव में सरपंच व अन्य ग्रामीणों की ओर से की गई डिमांड पर दुष्यंत चौटाला ने पीडब्ल्यूडी के एक्सईएन को निर्देश दिए कि गांव में संतराम सैनी के होटल तक सड़क तुरंत बनाई जाए। गांव में डिजिटल लाइब्रेरी बनाने की घोषणा की। वहीं जब डिप्टी सीएम गांव डोहर में पहुंचे तो वहां शेरसिंह डीपीई की अगुवाई में बाबूलाल, प्रमोद कुमार, जगदीश, पूर्व पार्षद सुरेंद्र, कृष्ण कुमार, हंसराज, बनवारी, होशियार, कुलदीप, दलीप, शेरसिंह, राजकुमार किरोड़ी, मुरारी व गिरवर ने पार्टी में आस्था जताते हुए ज्वाइन की। इन सभी कार्यक्रमों की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष डा. मनीष शर्मा ने की। इस मौके पर पार्टी में राष्ट्रीय महासचिव कमलेश सैनी, हलका अध्यक्ष भोजराज यादव, जाट महासभा के जिला अध्यक्ष विजयपाल एडवोकेट, एडवोकेट अजय चौधरी, महाराम गुर्जर, नगर पार्षद संदीप भांखर, रोहताश रावत, सुरेंद्र ढिल्लो, सरपंच राजबाला ताजीपुर, रणबीर सुबेदार, सरपंच अश्वनी नांगल शालू, सरपंच लालचंद कारोता, राजकुमार, सरपंच सुमन चिंडालिया, पृथ्वीसिंह, रामफल, थानेदार रणधीरसिंह, विद्याधर, सज्जनसिंह आदि मौजूद रहे।

ग्राम सचिवालय बनाने की भी घोषणा

ग्राम सचिवालय बनाने की भी घोषणा की। इसके अलावा खेतों के कई रास्ते पक्के बनाने की घोषणा भी की। इस गांव के बाद डिप्टी सीएम गांव चिंडालिया पहुंचे और वहां देर शाम तक भी उनका इंतजार कर रही भारी भीड़ को देख संबोधन में कहा कि आपका यह इंतजार बता रहा है, पार्टी के प्रति कितना लगाव है। यह संघर्ष है, आपको आगे लेकर चलना है। जितनी मजबूती से पार्टी को लेकर आगे बढ़ रहे है, भविष्य आपका ही होगा। यहां सरपंच व ग्रामीणों की डिमांड पर डिप्टी सीएम ने कहा कि नांगल काठा व भालोठ सड़क मार्केटिंग बोर्ड के अधीन है। इनके एस्टीमेट बन चुके है। अभी गेहूं की फसल कटेगी तो मार्केटिंग बोर्ड के पास दो प्रतिशत के तौर पर पैसा आएगा।

क्षेत्र के कई गांवों में पहुंचीं विकसित भारत जन संवाद संकल्प यात्रा

यात्रा का मुख्य मकसद आमजन को सरकार की योजनाओं का लाभ देना है: सीताराम

- नागरिकों को विकसित भारत की शपथ दिलाई गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। उज्ज्वला योजना के तहत पात्र नागरिकों को एलपीजी गैस कनेक्शन देते अटेली विधायक सीताराम यादव। फोटो : हरिभूमि

विकसित भारत जन संवाद संकल्प यात्रा शनिवार को महेंद्रगढ़ खंड के गांव जोनावास, सतनाली खंड के गांव सोहला, अटेली खंड के बजाड़ व गणियार, नांगल चौधरी खंड के गांव बामनवास खेता व कालबा तथा निजामपुर खंड के गंगुताना व गोलवा गांव में पहुंची। इस अवसर पर नागरिकों को विकसित भारत की शपथ दिलाई। गांव बजाड़ व गणियार में अटेली विधायक सीताराम यादव, बामनवास, कालबा व गोलवा में बीजेपी जिला अध्यक्ष दयाराम यादव ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। वहीं जोनावास में जिला परिषद सदस्य देवेंद्र यादव, गंगुताना में पंचायत समिति चेयरमैन विनोद कुमार ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। सोहला में नायब तहसीलदार दयाचंद ने विकसित भारत की शपथ दिलाई। अटेली विधायक सीताराम यादव ने संबोधित करते हुए कहा कि इस यात्रा का मुख्य मकसद आमजन को सरकार की योजनाओं से अवगत करवा कर उनको इन योजनाओं का लाभ देना है। यह यात्रा प्रदेश के लाखों पात्र नागरिकों को योजनाओं के साथ जोड़ने का कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि देश को विकसित राष्ट्र की श्रेणी में लाने के लिए हर व्यक्ति को विकसित राष्ट्र की सोच के साथ आगे बढ़ना होगा।

उन्होंने कहा कि सरकार ने व्यवस्था परिवर्तन करते हुए पारदर्शी शासन दिया है। संकल्प यात्रा के दौरान पात्र नागरिकों को मुफ्त में गैस कनेक्शन दिए जा रहे है, जो लाभार्थी अभी तक छूट गए है, उनके आवेदन भी मौके पर ही करवाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में शनिवार को गणियार में छह लाभार्थियों को व बजाड़ में पांच लाभार्थियों को गैस कनेक्शन दिए तथा गणियार में मौके पर ही छह लाभार्थियों की पेंशन बनाई। बीजेपी जिला अध्यक्ष दयाराम यादव ने संबोधित करते हुए कहा कि गरीब नागरिकों को इलाज के खर्च की चिंता से मुक्त करते हुए सरकार ने आयुष्मान चिरायु हरियाणा योजना लागू करके बहुत बड़ी राहत दी है। इसी प्रकार किसानों के लिए फसल बीमा योजना तथा किसान सम्मान निधि योजना लागू करके उनका आर्थिक उत्थान किया है। इस मौके पर गणियार में बीडीपीओ चंदन जोशी, पंचायत समिति चेयरमैन राजेंद्र प्रसाद, जिला अध्यक्ष एससी मोर्चा कर्मवीर खींची, पंचायत समिति मेंबर सुनीता देवी, महामंत्री मुकेश यादव मौजूद थे।

सोमवार को इन गांवों में जाएगी

आत्मनिर्भर व विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को लेकर चल रही विकसित भारत जन संवाद संकल्प यात्रा आठ जनवरी को सतनाली खंड के गांव ढाढोत व माधौगढ़, अटेली खंड के चंदपुरा व धनौंदा, नांगल चौधरी खंड के गांव भुंगारका, निजामपुर खंड के रावता की ढाणी व बायल तथा सिहमा खंड के आजमनगर गांव में जाएगी। प्रशासन ने इन गांव में सभी प्रकार की तैयारी पूरी कर ली है, ताकि लोगों को सरकार की जनकल्याणकारी योजना व सेवाएं लेने में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

महेंद्रगढ़। गैस कनेक्शन देते मुख्य अतिथि। फोटो : हरिभूमि

भारत संकल्प यात्रा गांव जोनावास व सोहला पहुंची

- मुख्यातिथि देवेंद्र यादव ने गांव जोनावास व गांव सोहला में नायब तहसीलदार दयाचंद ने विकसित भारत की शपथ दिलाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

आगामी 26 जनवरी तक चलने वाली विकसित भारत संकल्प यात्रा शनिवार को गांव जोनावास व सतनाली खंड के गांव सोहला में पहुंची। गांव जोनावास में जिला परिषद सदस्य देवेंद्र यादव ने मुख्यातिथि के रुप में शिरकत की। मुख्यातिथि देवेंद्र यादव ने गांव जोनावास व गांव सोहला में नायब तहसीलदार दयाचंद ने विकसित भारत की शपथ दिलाई। देवेंद्र यादव ने कहा कि अब आमजन को किसी दफ्तर में नहीं जाना पड़ता। उन्होंने कहा कि आज डबल इंजन की सरकार आपके द्वार पहुंची है। गांव जोनावास में सबसे बुजुर्ग पुरूष होशियार सिंह व सबसे बुजुर्ग महिला उमरावली देवी को सम्मानित किया। इसी प्रकार गांव सोहला के सबसे बुजुर्ग पुरूष जीवन व सबसे बुजुर्ग महिला राजबाई को सम्मानित किया। गांव के स्कूल टॉपर बच्चे काव्या, दृष्टि चौहान, डिंपल, कोमल, इशू को सम्मानित किया। फुटबाल प्रतियोगिता में नितिन, क्रिकेट प्रतियोगिता में राजेंद्र, जतिन, हॉकी प्रतियोगिता में विशाल व स्केटिंग प्रतियोगिता जतिन यादव ने अव्वल स्थान प्राप्त करने पर मुख्यातिथि ने उनकों सम्मानित किया। इसी प्रकार गांव सोहला में मुख्यातिथि ने गांव के स्कूल टॉपर बच्चे आरुषि, गुंजन, नीतीश व फुटबॉल प्रतियोगिता में अव्वल स्थान प्राप्त करने वाले दलबीर को प्रशंसा पत्र दिया। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन दिए गए।

मॉडर्न स्कूल में अभिभावक शिक्षक बैठक आयोजित

महेंद्रगढ़। मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शनिवार को शिक्षक अभिभावक बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान अभिभावक विद्यालय पहुंचे व अपने बच्चे के बारे में अध्यापकों से विचार-विमर्श किया। अध्यापकों ने भी अभिभावकों को विश्वास दिलाया कि हम आपके बच्चे का बेहतर ध्यान रख रहे हैं और भविष्य में भी ध्यान रखेंगे। डायरेक्टर हुकम सिंह तंवर व चेयरमैन सतन सिंह ने सभी अभिभावकों का सभा में पधारने पर धन्यवाद व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि इस प्रकार के आयोजन से बच्चों के विकास को नई दिशा मिलती है। प्रबंधन समिति बच्चों के सर्वांगीण विकास को लेकर जागरूक है। इससे बच्चों के उज्जवल भविष्य को संवारने में बहुत मदद मिलेगी। इस मौके पर कोर्डिनेटर भूपेंद्र सैनी, जिले सिंह, राकेश, सुभाष डीपी, सुरेश बाबू, राजेंद्र शर्मा, जगबीर लांबा, मानसिंह, मुकेश तंवर, मुकेश शर्मा, शीला शर्मा, स्नेहलता सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

तनसिंह की जन्म शताब्दी समारोह संदेश यात्रा का किया स्वागत

नारनौल। श्री छत्रिय युवक संघ के संस्थापक तनसिंह की जन्म शताब्दी समारोह संदेश यात्रा का गांव भोजावास, धनौंदा, खेड़ी, पोता में पहुंचने पर स्वागत किया गया। अखिल भारतीय राजपूत महासभा के प्रदेश अध्यक्ष बसपा नेता अतरलाल एडवोकेट के नेतृत्व में छात्र धर्म के अनुयायियों ने तनसिंह के चित्र पर माल्यार्पण कर उनकी शिक्षाओं पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर अतरलाल ने कहा कि तनसिंह ने 22 वर्ष की उम्र में श्री छत्रिय संघ की स्थापना कर समाज तथा राष्ट्र को दायित्व बोध का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि आज इंसान में दायित्व बोध की कमी के कारण ही समाज पीछे जा रहा है। उन्होंने लोगों से छात्र धर्म की शिक्षाओं पर चलने का आह्वान किया। महेंद्र सिंह, रायसिंह, हिन्दू सिंह, अरविंद सिंह, जोगराज सिंह ने कहा कि यात्रा का समापन 28 जनवरी को दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में होगा। उन्होंने 28 जनवरी को दिल्ली पहुंचने का आह्वान किया। रतनसिंह चेयरमैन, भागसिंह चेयरमैन, अशोक सिंह खोड़, सतपाल सरपंच, पवन सरपंच, कुलदीप तंवर ठेकेदार आदि मौजूद रहे।

विशेष शिविर स्वयंसेवकों ने किया श्रमदान

महेंद्रगढ़। पार्क में औषधीय पौधे की जानकारी लेते स्वयं-सेवक। फोटो : हरिभूमि

महेंद्रगढ़। यदुवंशी शिक्षा निकेतन के तत्वावधान में चल रहे सात दिवसीय विशेष शिविर के छठे दिन स्वयं सेवकों ने विद्यालय में श्रमदान दिया, वहीं सभी स्वयंसेवकों ने गुगल हर्बल वाटिका में भ्रमण कर सभी वनस्पतियों की जानकारी प्राप्त की। उद्यान में रामतुलसी, कृष्णतुलसी, अमलतास, छुई-मुई, कमल, कैक्टस, मेहंदी, बांस, हारसिंगार व अनेक प्रकार के जहरीले पौधों की स्वयंसेवकों ने पहचान बनाई। हर्बल का अर्थ होता है-जड़ी बूटी युक्त। हर्बल पार्क में सभी औषधीय पौधे होते हैं जिनके लाभों के बारे में जानकारी भी दी हुई होती है। निदेशक विजय सिंह यादव ने कहा कि पौधे मानवीय जीवन में अत्यंत लाभकारी होते हैं। हर घर के बगीचे में हर्बल प्लांट होने चाहिए। थोड़ी सी देखभाल के साथ छोटी-सी जगह में भी आसानी से उगाया जा सकता है।

खेलकूद पुलिस की ओर से हरियाणा उदय मुहिम के तहत नशा विरोधी अभियान के तहत स्पर्धा

रस्सा-कस्सी व वॉलीबॉलमें दिखाए दमखम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

नांगल चौधरी। प्रतियोगिता में भाग लेते खिलाड़ी। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा उदय मुहिम के तहत शनिवार को नांगल चौधरी के गांव कालबा में जिला पुलिस की तरफ से रस्सा-कसी व वॉलीबॉल मैच का आयोजन किया गया। पुलिस की ओर से जिले में हरियाणा उदय मुहिम के तहत नशा विरोधी अभियान चलाया हुआ है। जिसके तहत कालबा नांगल चौधरी में पुलिस की तरफ से वॉलीबॉल मैच का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में एएसपी प्रबिना पि मौजूद रही। खेल प्रतियोगिता के दौरान थाना निजामपुर प्रबंधक उप निरीक्षक भूपेंद्र, गांव कालबा सरपंच व गांव के मौजीज व्यक्ति तथा वॉलीबॉल के खिलाड़ी मौजूद रहे।

इस अवसर पर वॉलीबॉल मैच गांव की टीम व पुलिस की टीम के बीच हुआ। दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की श्रृंखला करवाई गई। जिसमे गांव की टीम ने जीत हासिल की। वॉलीबॉल मैच खेलने वाले खिलाड़ियों को मुख्य अतिथि ने ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। इसके बाद पुलिस व गांव की टीम के बीच रस्सा-कसी प्रतियोगिता करवाई गई। इस अवसर पर एएसपी ने सरकार की ओर से नशे के खिलाफ चलाए गए अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए युवाओं को जागरूक किया और लोगों से नशा बेचने वालों, नशे का व्यापार करने वालों और किसी भी अपराधिक घटना के बारे में पुलिस को सूचित करने की अपील की। उन्होंने युवाओं से भी अपील करते हुए कहा कि युवा नशे के दलदल से बच सकते हैं और देश व समाज के निर्माण में अहम योगदान दे सकते हैं। इसलिए वह नशे से दूर रहे और नशा न करें। उन्होंने कहा प्रदेश सरकार की हरियाणा उदय मुहिम के तहत थाना नांगल चौधरी के गांव कालबा में जिला पुलिस की ओर से खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस तरह के कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आमजन का प्रशासन के प्रति तालमेल बना रहे। संप्रदायिक सद्भावना का उद्गम हो, ताकि जिले में शांति व्यवस्था कायम रहे और लोगों में प्रेम भाव बना रहे। उन्होंने कहा कि खेल प्रतियोगिता के माध्यम से युवाओं को खेल की तरफ जागरूक करना है और उन्हें नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रखना है, ताकि वह शारीरिक व मानसिक रूप से मजबूत बन सकें। जिला पुलिस प्रशासन की तरफ से इस प्रकार के कार्यक्रम आगे भी आयोजित किए जाते रहेंगे। गांव के सरपंच ने युवाओं को नशे के खिलाफ जागरूक किया और कहा कि पुलिस विभाग की ओर से युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने की अच्छी मुहिम चलाई गई है। युवा अपनी ऊर्जा पढ़ाई, खेलों में लगाएं और अपने गांव, अपने देश का नाम रोशन करें।

इस माह में नपा को मिलेंगे स्थाई अधिकारी: बलवान

महेंद्रगढ़। पूर्व लोकसभा प्रत्याशी बलवान फौजी की ओर से भाजपा पार्टी द्वारा सात जनवरी को सब्जीमंडी में आयोजित होने वाले अभिनंदन समारोह का विरोध नगर पालिका चेयरमैन रमेश सैनी के आश्वासन पर स्थागित कर दिया हैं। बलवान फौजी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि उन्होंने कुछ दिन पूर्व ज्ञापन के माध्यम से नगर पालिका में अधिकारियों की स्थाई की नियुक्ति की मांग को लेकर एसडीएम के सुपरिडेंट के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा था। उन्होंने चेतावनी दी थी कि अगर नगर पालिका में स्थाई अधिकारियों की नियुक्ति होती है तो 7 जनवरी को होने वाले कार्यक्रम का विरोध किया जाएगा।

दी कनीना को-आप्रेटिव मार्केटिंग सोसायटी लि.
कनीना (महेन्द्रगढ़) हरियाणा

सूचना

समिति की आमसभा की मिटिंग दिनांक 02.02.2024 वार शुक्रवार को समिति के प्रांगण में दिन के 01:00 बजे होनी निश्चित की गई है। अतः समिति के सभी माननीय सदस्यों से अनुरोध है कि समिति की आमसभा की मिटिंग में निश्चित समय व स्थान पर पहुंचकर समिति की आमसभा की शोभा बढाएं व कार्यवाही में भाग लेवें।

मिटिंग का एजेंडा निम्नलिखित है।

I. समिति की पिछली आमसभा 25.02.2021 की पुष्टि करने बारे गौर।
II. समिति की वित्तीय वर्ष 2020-21 के तुलन पत्र पर विचार एवं विमर्श।
III. समिति में माह फरवरी 2021 से मार्च 2023 तक किए गये खर्चों व अदायगियों का अनुमोदन करने बारे विचार एवं निर्णय।
IV. B.O.D. द्वारा दिनांक 26.06.2020 से दिनांक 27.12.2023 तक की गई मिटिंग (सभा) की पुष्टि करने बारे विचार व निर्णय।

हस्ता/-मैनेजर
दी कनीना को-आप्रेटिव मार्केटिंग सोसायटी लि.
कनीना (महेन्द्रगढ़) हरियाणा
फोन नं. 01285-235707

खबर संक्षेप

गुदड़िया गोशाला में चार दिवसीय कार्यक्रम आज से

महेंद्रगढ़। गांव माधोगढ़ में स्थित श्री कृष्ण बाबा गुदड़िया गोशाा का चार दिवसीय वार्षिक उत्सव आज से शुरू होगा। प्रधान मुकेश झुकिया ने बताया कि गोशाला मकर संक्रांति के पावन पर्व पर हर वर्ष अपना वार्षिक उत्सव मनाती है, जिसमें भारतवर्ष के ख्याति प्राप्त कलाकार द्वारा कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाते हैं तथा आने वाली पीढ़ी को गो-माता की सेवा करने की प्रेरणा दी जाती है। कार्यक्रम रविवार से शुरू होकर 10 जनवरी तक चलेगा।

मारपीट के आरोप में महिला सहित 3 पर केस

कनीना। गोमला गांव में गाड़ी चालक से मारपीट करने के आरोप में पुलिस ने महिला सहित तीन के खिलाफ केस दर्ज किया है। दिलावार ने बताया कि वह पशु चारा लाने व जाने का कार्य करता है। उसके पास ठोलिया, गोलू व बीणी वासी भोजावास काम करते हैं। 10 दिसंबर को वह गोमला से पशु चारा भरकर कुचामन सिटी राजस्थान ल गए थे। 13 की रात्रि वह गाड़ी खड़ी कर सो रहा था, ठोलिया ने उसके मोबाइल से किसी कॉल की। 16 दिसंबर को जब वह भोजावास से मजदूरों को लेने गया, तो तीनों आरोपितों ने उस पर हमला कर दिया।

पुलिस ने बोलेरो से बरामद की 5 पेटी अवैध शराब

कनीना। पुलिस ने एक बोलेरो गाड़ी से अवैध शराब बरामद की है। इस बारे में थाना अध्यक्ष कमलदीप राणा ने बताया कि एसपी नितिश अग्रवाल के दिशानिर्देश पर पुलिस नशे के खिलाफ अभियान चलाया हुआ है। जिसके चलते पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कोसली टी-प्वाइंट के समीप नाकाबंदी की हुई थी। जहां एक बोलेरो गाड़ी आई। जिसकी जांच की तो उसमें पांच पेटी रखी मिली। जिसमें से चार पेटी अवैध देसी शराब व एक पेटी अंग्रेजी शराब बरामद हुई। गाड़ी चालक की पहचान प्रदीप वासी मांडोला थाना सतनाली के रूप में हई।

कार्यकर्ता सचिन पायलेट का करेंगे अभिनंदन

नांगल चौधरी। राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलेट को राष्ट्रीय महासचिव मनाने पर कार्यकर्ताओं ने सीनियर कांग्रेसी नेता महेश सोडा की अध्यक्षता में बैठक की। जिसमें नवनियुक्त राष्ट्रीय महासचिव के अभिनंदन समारोह की रूपरेखा बनाई गई। उन्होंने कहा कि सचिन पायलेट जमीन से जुड़े हुए है। इनके पिता पूर्व केंद्रीय मंत्री दिवंगत राजेश पायलेट के पारदर्शी राजनीति की थी। अब सचिन पायलेट के पिता के सिद्धांतों का अनुसरण करते हुए संगठन को मजबूत करने में जुटे हुए हैं।

भवन निर्माण कामगारों के लिए जागरूकता कैंप

नारनौल। हरियाणा औद्योगिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से राज्य में भवन निर्माण के कायार्ें में कार्यरत कामगारों एवं उनके परिजनों के लिए विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। इन योजनाओं का लाभ लेने के लिए आगामी 10 से 12 जनवरी तक मजदूर चौक महिला आईटीआई में जागरूकता कैंप का आयोजन किया जाएगा।

अभी एक कोने से युवाओं की आवाज, खुले खेल विवि, वरना नेताओं की गांव में नो-एंट्री

जिले ने शिक्षा में कमाया नाम, अब खेलों की बारी, ऐसे में खेल विश्वविद्यलय रहेगा चुनावी मुद्दा, मुहिम चलाकर हर गांव से जोड़ेंगे युवा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

प्रदेश के अन्य जिलों से अगर महेंद्रगढ़ जिला की तुलना करें तो यहां के लोग ज्यादा आक्रामक नहीं है। आजादी के बाद इन 75 सालों में सत्ता में कई पार्टी व नेता आए और गए। उनका आदर सत्कार किया। क्षेत्र हित खासतौर पर युवा हित में कार्य कम किया गया। अब यहां के युवा शिक्षित होकर जागरूक होने लगे है। शिक्षा जगत के बाद अब खेल जगत में नाम कमाने के लिए आतुर है। यह हम नहीं कह रहे, इसी तरह की युवा आवाज जिला के एक कोने से शुरू हो गई है। अटेली क्षेत्र में राजस्थान बॉर्डर से सटे गांव कांटी-खेड़ी कोने से यह आवाज उठी है। इन युवाओं का कहना है कि क्षेत्र में स्पोर्ट्स यूनिर्विसटी खुले, इसके लिए गांव-गांव में युवाओं की टीम तैयार होगी और भविष्य में होने वाले चुनाव में राजनीति पार्टियों व उनके नेताओं पर दबाव बनाया जाएगा।

इससे जुड़े युवा ललित यादव, विकास यादव, सवितराज यादव, मुकेश, दीपक यादव, मनोज राव, सन्नी, इंद्रपाल यादव, सत्येंद्र यादव व पवन कौशिक का कहना है कि हम आजादी के 75 साल बाद भी बड़े नेताओं से गांव की नालियां ठीक करवाने से ज्यादा कुछ मांग नही सकते हैं। हमारे प्रतिनिधित्व करने वाले इससे डरते हैं, कहीं बड़े नेता गांव से नाराज ना हो जाए। जिससे बड़ी मांगों को नेताओं के सामने नहीं रखते। जिससे क्षेत्र के युवाओं ने बड़ी सभा करने निर्णय लिया है, जिससे में क्षेत्र में स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के आंदोलन की रूपरेखा बनाई जाएगी। अपनी मांगे पूरी न होने पर आने वाले चुनावों में वोट की चोट करने फैसला लिया जाएगा।

नारनौल। क्षेत्र में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी खोलने की मुहिम में शामिल युवा। फोटो: हरिभूमि

हर नेता के सामने रखेंगे मांग

इन युवाओ ने कहा है कि वो हर पार्टी और हर नेता जो गांवों के दौरे पर आएंगे। उनके सामने अपनी मांग मजबूती के साथ रखेंगे। अगर उनकी मांगों को माना नहीं गया या आवाज दबाने की कोशिश भी हुई तो खुलेआम उस नेता का विरोध होगा, चाहे वह किसी भी हलके या पार्टी का हो। वो समय गया जब लोग नेताओं के साथ तस्वीर खिंचवा कर खुश होते थे या चापलूसी करके अपने खुद के काम निकलवाने के लिए नेताओं से सवाल जवाब नहीं करते थे। अब अहीरवाल जाग चुका है। हम लोग खुद के नहीं बल्कि पूरे क्षेत्र के हक की बात कर रहें हैं और वो खुलकर करेंगे। चाहे कितना बड़ा नेता हो या मंत्री हो। अभी दो दिवसीय दौरे पर आए डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला के समक्ष भी स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के स्टेडियम, स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी व स्पोर्ट्स इंस्टीट्यूट की मांग रखी थी। वहां ऐसा महसूस हुआ कि क्षेत्र के युवाओं की इस मांग को अनसुना कर दिया। जिससे स्थानीय युवाओं में इसे लेकर रोष है।

रोडवेज: 21 बसों को एक माह से इंश्योरेंस व पासिंग का इंतजार

यात्रियों को जल्द सुविधा मिलने की उम्मीद, गत वर्ष दो किश्तों में मिली थी डिपों को 21 बसें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

रोडवेज के बेड़े में दिसंबर माह में 21 बसों की बढ़ौतरी हुई थी, लेकिन एक माह से इन बसों का न तो इंश्योरेंस हुआ है और न ही पासिंग, जिस कारण एक माह से इन्हें सड़कों पर नहीं उतारा जा सका है। इसके पीछे बजट का अभाव कारण माना जाता है। रोडवेज को हर तिमाही में बजट मिलता है और अब जनवरी माह में बजट मिलने की पूरी संभावना है, जिसके चलते इन बसों के सड़कों पर दौड़ने की उम्मीद रूपी किरण नजदीक ही दिखाई दे रही है।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023 में नारनौल बस डिपो को जून माह में 30 बसें मिलनी थी, जिनमें से नौ बसें नवंबर माह में मिली, जिस पर उनका इंश्योरेंस एवं पासिंग करवाते हुए उन्हें सड़कों पर उतार दिया गया। बाद में दिसंबर 2023 के प्रथम सप्ताह में बीएस-6 की 21 बसें और मिली। मगर कमाल की बात है कि बजट के अभाव में यह 21 बसें रोडवेज वर्कशॉप में खड़ी हैं। रोडवेज डिपो नारनौल के पास इनके इंश्योरेंस एवं पासिंग का बजट नहीं है, जिस कारण इन्हें एक माह से सड़कों पर नहीं उतारा जा सका है। फिलहाल यह सभी 21 बसें वर्कशाप में खड़ी हैं।

नारनौल। वर्कशॉप में खड़ी रोडवेज बसें। फोटो: हरिभूमि

नारनौल डिपो की स्थिति

नारनौल बस डिपो में फिलहाल 141 बसें ऑन रोड हैं, यानि विभिन्न रूटों पर दौड़ रही हैं। इन 21 बसों को मिलाकर इनकी संख्या 162 हो जाती है। जब यह सभी बसें रूटों पर चलने लगेंगी तो यात्रियों को रोडवेज की यात्रा और सुगम मिल सकेगी। वैसे नारनौल डिपो को 180 बसों की स्वीकृति है।

चालकों- परिचालकों की कमी

नारनौल बस डिपो में रोडवेज चालकों एवं परिचालकों की कमी भी अखर रही है। इस समय करीब 200 चालक हैं, जिनमें से 10-15 छुट्टी पर चलते रहते हैं। कंडेक्टर इससे भी कम हैं तथा उन्हें किलोमीटर स्कीम की बसों का भी चार्ज दिया गया है। इस कारण नई बसों के लिए और ड्राइवरों एवं कंडेक्टरों की आवश्यकता होगी।

प्रदेश मुख्यालय को करने दोनों कार्य

रोडवेज के मुख्य निरीक्षक ब्रह्मप्रकाश यादव ने बताया कि नई बसों की इंश्योरेंस एवं पासिंग करवानी है। इंश्योरेंस हायर अथोरिटी मुख्यालय करवाकर देता है, जबकि पासिंग यहां से करवानी है। पैसा तिमाही में आता है, जिस कारण देरी हुई है।

जल्द पासिंग की लाइन में लगेंगी बसें

रोडवेज के जीएम नवीन भारद्धाज ने बताया कि जल्द ही इंश्योरेंस करवाया जा रहा है। इसके बाद बसों को पासिंग की लाइन में लगा दिया जाएगा। चालकों एवं परिचालकों की पूर्ति करने के लिए उच्चाधिकारियों से पत्राचार किया गया है।

अहीर रेजिमेंट की मांग आज होगी महापंचायत

महेंद्रगढ़। अहीर रेजिमेंट के गठन को लेकर गांव बसई में सात जनवरी को विशाल जनजागरण अभियान को लेकर महापंचायत की जाएगी। इस महापंचायत में प्रदेश के अनेक सैनिक भाग लेंगे। विक्टोरिया क्रॉस विजेता कैप्टन उमराव सिंह यादव की नाती नीरा बोहरा पत्नी राव कुलबीर बोहरा सहित अनेक वीर सैनिक अहीर रेजिमेंट की मांग को लेकर जोरदार आवाज उठाएंगे।

■ जनजागरण अभियान को लेकर कार्यक्रम

अहीर रेजिमेंट की मांग को लेकर सूबेदार मेजर कंवर सिंह, राव अजीत सिंह खेड़की दौला गुड़गांव, कैप्टन प्रभाती लाल, श्रीचंद, सूबेदार वेदप्रकाश, सतीश बसई, नायब सूबेदार रामफल, हवलदार रामचंद्र, सूबेदार नरेश ने बताया कि आजादी के बाद का इतिहास यादव सैन्य अधिकारियों तथा सैनिकों की वीरता से भरा पड़ा है। चाहे 1947-48 का कवाइली युद्ध,1955 का गोवा मुक्ति युद्ध, 1962 का भारत-चीन युद्ध, 1965 व 71 का भारत पाक युद्ध व 1999 में कारगिल युद्ध में यादव योद्धाओं ने अपने पराक्रम का शौर्य दिखाकर देश के सर्वाधिक मेडल हासिल कर सीमाओं की रक्षा में शहादत दी। सैनिकों ने विक्टोरिया क्रॉस, महावीर चक्र सहित सेना के तमाम वीरता के पदक जीते है।

महेंद्रगढ़। ट्रेनिंग के दौरान कर्मचारियों को संबोधित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

डीजी चंद्रलेखा ने किया मिशन कर्मयोगी कार्यक्रम का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में मिशन कर्मयोगी प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। हरियाणा लोक प्रबंधन संस्थान (हिप्पा) गुरुग्राम से महनिदेशक चंद्रलेखा मुखर्जी व सहायक निदेशक रेखा दहिया ने कार्यक्रम में शिरकत की और प्रतिभागियों से मुलाकात की। साथ ही प्रशिक्षण कार्यक्रम में भोजन व्यवस्था की जांच की तथा भोजन की गुणवत्ता से प्रभावित होकर प्रबंधकों की प्रसंशा की। जिले में कार्यरत एक-एक कर्मचारी को सरकार कर्मयोगी बनाएगी। सरकार का मकसद है कि कर्मयोगी बनने से कर्मचारी जहां बेहतर काम करेंगे, वहीं उनमें नैतिकता भी आएगी। हरियाणा लोक प्रबंधन संस्थान गुरुग्राम (हिपा) द्वारा प्रत्येक जिले में मिशन कर्मयोगी हरियाणा के तहत ट्रेनिंग दी जा रही है। इसमें नोडल ऑफिसर डॉ. सुकर्मपाल के निर्देशन में प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित हो रहा है। ट्रेनिंग का उद्देश्य कर्मचारियों में अपने कार्य को लेकर अपने उत्तरदायित्व को निभाना, क्षमता विकास, सेवाभाव, दैनिक जीवन में नैतिक मूल्यों का विकास, संवेदनशीलता का विकास करना है। इस मौके पर कार्यकारी प्राचार्य डाइट डॉ. सुरेंद्र सिंह यादव, प्रवक्ता नरेश कुमार, प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक सूर्यकांत यादव, प्रवक्ता धर्मेंद्र कुमार, प्रवक्ता पंकज यादव, प्रवक्ता अरुण कुमार व बाबू अनिल कुमार एवं नितीश जांगड़ा आदि मौजूद रहे।

भोजावास गांव में लाखों की लागत से होंगे विकास कार्य: सीताराम यादव

कनीना। गांव भोजावास में आने वाले समय में लाखों रुपये की लागत से अनेक विकास कार्य होंगे। यह बात हलका विधायक सीताराम यादव ने शनिवार को बाबा हेमादास गौशाला समिति को 1237500 का चेक गायों की सेवा के लिए देते हुए कही। कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश का नाम विश्वभर में ऊंचा हुआ है। वही प्रदेश सरकार जन कल्याणकारी नीतियों को अमलीजामा पहनाने में जुटी हुई है। श्रीकृष्ण बाल गोपाल गौशाला बिहाली की समिति को भी 839250 का चेक दिया। इस मौके पर कैप्टन महावीर सिंह, पवन तंवर, कैलाश चंद, बाबूलाल, महावीर प्रसाद, रतन सिंह मौजूद रहे।

कनीना। भोजावास में गौशाला समिति व सरपंच को चेक प्रदान करते विधायक सीताराम यादव।

हाड़ कंपाने वाली ठंड से जनजीवन प्रभावित, फसलों को फायदा

कनीना। जनवरी की शुरूआत से क्षेत्र में पड़ रही भीषण सर्दी के चलते सामान्य जनजीवन भले ही प्रभावित हुआ है, लेकिन रबी फसलों के लिए मौसम अनुकूल बना हुआ है। बड़े-बुजुगार्ें की माने तो पौष व माघ दो महीने ठंड के माने जाते हैं। इन महीनों में ठंड का प्रकोप बना रहता है। पिछले चार दिन से सूर्य नहीं निकल सका है, कड़ाके की सर्दी से बचाव के लिए ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के नागरिक अलाव जलाकर सर्दी दूर करने का प्रयास करने पर मजबूर हैं। क्षेत्र में धुंध कम तथा ठंड अधिक के हालात बने हुए हैं। शनिवार को कनीना का न्यूनतम तापमान पांच व अधिकतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। एक्यूआई 335 दर्ज किया गया। कृषि विभाग से डा. देवेंद्र कुमार ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के चलते आठ से 10 जनवरी तक हलकी बारिश होने से मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। बढ़ी हुई ठंड से फसलों को फायदा हुआ है। मौसम की अनुकूलता के कारण रबी फसल की बंपर पैदावार होने की संभावना है।

कनीना। कड़ाके की ठंड से परवान चढ़ रही सरसों की फसल दिखाता किसान।

बच्चों की दिनचर्या पर नजर रखें अभिभावक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल चौधरी

सरस्वती विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में प्राचार्या वंदना यादव की अध्यक्षता में पीटीएम आयोजित हुई। जिसमें अभिभावकों को बच्चों की मासिक प्रोग्रेस रिपोर्ट सौंपी गई। उन्हें बच्चों की दैनिक दिनचर्या और सोसायटी पर नजर रखने की हिदायत दी। प्रोग्रेस रिपोर्ट में अव्वल रहे विद्यार्थियों को संस्था के प्रबंधक निदेशक अमित यादव ने प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि बच्चों की पढ़ाई को लेकर सभी अभिभावक चिंतित रहते हैं, लेकिन गंभीर नहीं, क्योंकि दाखिला कराने के बाद स्कूल आकर बच्चे की प्रोग्रेस रिपोर्ट नहीं देखते। जिससे बच्चे लापरवाह होने के साथ अभिभावकों को गुमराह करने लगता है। धीरे-धीरे दैनिक दिनचर्या आलसी और गलत कायार्ें की ओर अग्रसर हो सकती है। इसलिए अभिभावकों को भी सतर्क और अपडेट रहना अनिवार्य है। स्कूल टीचर से संपर्क में बच्चों को उनकी रूची की पढ़ाई के अनुसार प्रोत्साहित करें, क्योंकि आर्ट, साइंस या कॉमर्स इनमें कोई भी स्ट्रीम का महत्व कम नहीं होता।

नांगल चौधरी। सरस्वती स्कूल की पीटीएम में बच्चों की प्रोग्रेस रिपोर्ट लेते अभिभावक। फोटो: हरिभूमि

■ सरस्वति विद्या मंदिर में कार्यक्रम का आयोजन

पीले चावल देकर उत्सव को महत्वपूर्ण बनाने का आग्रह

महेंद्रगढ़। अयोध्या में रामलला के भव्य मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा पर अपने घरों को दीपोत्सव के रूप में सजाएं जाने को लेकर नगरपालिका उपप्रधान मंजू कौशिक ने डोर-टू-डोर महिलाओं को अभिमंत्रित पीले चावल देकर उत्सव को महत्वपूर्ण बनाने को लेकर आग्रह किया। मंजू कौशिक के नेतृत्व में दर्जनों महिलाओं ने घर-घर जाकर संदेश दिया कि भगवान श्री राम हमारी आस्था के प्रतीक हैं। अयोध्या में निर्मित राम मंदिर हमारी चिर परिचित अपेक्षा थी। 22 जनवरी को रामलला के भव्य मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा होने पर महिलाएं अपने-अपने घरों को दीप व आकर्षक लाइट लगाकर जगमग करें।

भाजपा जिलाध्यक्ष का स्वागत

नारनौल। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष दयाराम यादव का गांव मंढाणा आगमन पर ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष अरूण जांगड़ा व युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष जोगिंद्र राजपूत, भूषण मंडल अध्यक्ष राजसिंह यादव ने फूलमाला पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर पुनः जिला अध्यक्ष बनने पर बधाई दी। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री मनोहर लाल तथा जिला अध्यक्ष की कार्यशैली से प्रभावित होकर सैकड़ों युवा साथियों ने भारतीय जनता पार्टी में शामिल होकर पार्टी में आस्था जताई। इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष ने सभी युवा साथियों को फूलमाला पहनकर व पार्टी का पटका पहनाकर सदस्यता ग्रहण करवाई। उन्होंने कहा कि सात जनवरी को सब्जी मंडी महेन्द्रगढ़ में नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष नायाब सैनी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष वर्तमान में राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़, सदस्य केंद्रीय सांसद बोर्ड व चुनाव समिति एवं पूर्व सांसद सुधा यादव के नागरिक अभिनन्दन समारोह में सभी युवा साथियों को अपने दल बल के साथ महेंद्रगढ़ पहुंचने का नियंत्रण दिया।

नारनौल। भाजपा जिलाध्यक्ष का स्वागत करते कार्यकर्ता। फोटो: हरिभूमि

12 जनवरी तक सड़क निर्माण नहीं तो देंगे धरना

■ 300 मीटर अधूरी सड़क बनी लोगों की परेशानी का सबब

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़ शहर से गांव बुचौली की ओर से जाने वाले मार्ग पर करीब 300 मीटर अधूरे सड़क निर्माण कार्य के चलते ग्रामीणों को परेशानी उठानी पड़ रही हैं, जबकि अन्य हिस्से का निर्माण कार्य करीब पांच माह पहले पूरा हो गया था। शनिवार को पूर्व लोकसभा प्रत्याशी बलवान फौजी ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों से समस्याओं के बारे जानकारी ली। बलवान फौजी ने मौके पर विभाग अधिकारियों को ग्रामीणों की समस्याओं से अवगत कराया। अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि जल्द अधूरे सड़क का निर्माण कार्य पूरा किया जाएगा। बलवान फौजी ने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर 12 जनवरी तक का सड़क निर्माण शुरू नहीं हुआ तो ग्रामीणों के साथ मिलकर विभाग के कार्यालय के समक्ष धरना प्रदर्शन किया जाएगा। ग्रामीणों ने बताया कि पीडब्ल्यूडी विभाग की ओर से महेंद्रगढ़-बुचौली मार्ग पर सड़क का निर्माण किया था, लेकिन करीब 300 मीटर के अधूरे निर्माण कार्य के चलते ग्रामीणों को परेशानी उठानी पड़ रही हैं। इस बारे में कई बार विभाग के अधिकारियों को अवगत कराया चुका है। अधूरे सड़क निर्माण के कार्य कई हादसे भी हो चुके हैं, लेकिन विभाग के अधिकारियों का इस ओर ध्यान नहीं जा रहा हैं। विभाग के अधिकारियों का कहना है कि सड़क का निर्माण करते समय निर्माण साम्रगी कम पड़ गई थी। इसके बाद मजदूर दिपावली पर्व पर अपने घर चले गए। जिस कारण सड़क का निर्माण कार्य नहीं हो पाया। बलवान फौजी का कहना है कि ग्रामीणों को काफी समय से परेशानी उठानी पड़ रहीं हैं। अगर 12 जनवरी तक सड़क का निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ तो धरना प्रदर्शन किया जाएगा। इस मौके पर डॉ. धर्मबीर यादव, रामअवतार मेहरा, सिकंदर यादव, हरीप्रकाश, रामबिलास, मंजीत दहिया, सूरज सिंह, सतबीर सिंह, अनूप कुमार व संदीप सिंह सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

16 जनवरी तक चलेगा मिशन कर्मयोगी कार्यक्रम

10 बैचों में 300 सरकारी कर्मचारी लेंगे प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

प्रदेश सरकार के मिशन कर्मयोगी कार्यक्रम के तहत राजकीय मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक संस्कृति स्कूल में सरकारी कर्मचारियों को दिए जाने वाले प्रशिक्षण का गत दिवस शुभारंभ किया गया। यह प्रशिक्षण आगामी 16 जनवरी तक चलेगा। इसमें 10 बैचों में 300 सरकारी कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह जानकारी देते हुए मिशन कर्मयोगी कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डीएस यादव ने बताया कि यह प्रशिक्षण राज्य सरकार की ओर से शुरू किए गए मिशन कर्मयोगी अभियान के तहत शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक बैच में जिले के विभिन्न विभागों से अलग-अलग श्रेणी के 30 प्रतिभागी सरकारी कर्मचारी होंगे। गत माह हरियाणा इंस्टिट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन गुरुग्राम में दो दिन राज्य के अन्य अधिकारियों के साथ उक्त मिशन की ट्रेनिंग दी गई थी।

नारनौल। प्रशिक्षण लेते कर्मचारी। फोटो: हरिभूमि

क्या है कर्मयोगी मिशन

नोडल अधिकारी डीएस यादव ने बताया कि हरियाणा सरकार ने सरकारी कर्मचारियों का कौशल बढ़ाने के लिए इस स्कीम के पीछे मूल भाव भागवत गीता में उल्लेखित योगः कर्मसु कौशलम है, जोकि सिविल सेवाओं का उद्देश्य है जो कार्य में कुशलता को दर्शाता है और अधिकतम परिणाम को हासिल करने के लिए उत्पादक कार्य कुशलता को परिलक्षित करता है। सभी सिविल सेवकों को समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियां को निभाने में अवश्य ही कुशल होना चाहिए। कर्म योगी के रूप में सिविल सेवकों के अन्य पहलू से जुड़कर यह स्कीम प्रत्येक अधिकारी की ओर से शांत और संतुलित व्यवहार के लिए शरीर व मन की जटिलताओं से परे जाती है। यह एक व्यक्तिगत अथवा चारित्रिक कार्य कुशलता है। उत्पादक और व्यक्तिगत कार्य कुशलता को अलग-अलग नहीं किया जा सकता। इस दर्शन में गुणवत्ता और मात्रा के दोहरे पहलू मिश्रित है। मिशन कर्मयोगी सिविल सेवकों की आंतरिक कार्य कुशलता या व्यक्तिगत कार्य कुशलता के पथ प्रदर्शक वैश्विक संदेश के माध्यम से इस व्यापक बदलाव को लाने का प्रयास करता है।

तीन मॉड्यूल में पूरा होगा प्रशिक्षण

नोडल अधिकारी डीएस यादव ने बताया कि यह प्रशिक्षण तीन मॉड्यूल में दिया जाएगा। प्रत्येक मॉड्यूल में सरकारी कर्मचारियों का कौशल व चारित्रिक कार्य कुशलता बढ़ाने के लिए उदाहरण सहित व्याख्यान दिया जाएगा और इस दौरान प्रतिभागियों की राय भी जानी जाएगी। प्रत्येक मॉड्यूल की समाप्ति के बाद प्रतिभागी का एप के माध्यम से ऑनलाइन असेसमेट भी किया जाएगा। यह कार्य ऑनलाइन एप के माध्यम से संपूर्ण होगा। प्रतिभागियों की उपस्थिति ऑनलाइन ही अंकित की जाएगी। प्रशिक्षण समाप्त होने के बाद प्रत्येक प्रतिभागी को प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा, जो प्रत्येक प्रतिभागी ऑनलाइन एप से डाउनलोड कर सकता है।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार, 7 जनवरी 2024

एक-दूसरे से सहज संपर्क के लिए ईजाद किया गया मोबाइल फोन, अब हमारी जीवनशैली का जरूरी हिस्सा बन चुका है। इसमें मौजूद तकनीकों ने बहुत सहूलियतें दी हैं तो यह हमारे बारे में दूसरों को बहुत-सी जानकारियां भी दे सकता है। हमारे व्यवहार, मानसिकता और सामाजिक छवि के बारे में भी हमारा मोबाइल फोन बहुत कुछ बताता है।

हमारे बारे में बहुत कुछ बताता है

मोबाइल फोन

आपसे वह बात नहीं करना चाहता। पहले कई तरह के दूसरे बहानों की गुंजाइश थी, लेकिन अब नहीं रह गई है। इसलिए आज की तारीख में किसी का फोन उठाना या ना उठाना, आपके उस व्यक्ति के साथ रिश्ते अच्छे होने या ना होने का आधार माना जाता है।

{ कवर स्टोरी / किरण भास्कर }

इस समय दुनिया में कुल जितनी आबादी है, उससे करीब डेढ़ गुना ज्यादा मोबाइल फोन मौजूद हैं। एक अनुमान के मुताबिक धरती के हर कोने में, हर समय करीब चार अरब से ज्यादा मोबाइल फोन सक्रिय रहते हैं। मोबाइल फोन अब महज एक-दूसरे के साथ संपर्क का जरिया भर नहीं है बल्कि यह हर साल तीन ट्रिलियन से ज्यादा के ऑनलाइन और मोबाइल कारोबार का बुनियादी जरिया भी बन चुका है। दुनिया में हर दिन इसी मोबाइल फोन की बदौलत जहां करोड़ों दिल प्यार की डोर में बंधते हैं, वहीं लाखों लाख दिल हर दिन इसी मोबाइल के जरिए टूट भी जाते हैं। आज शासन-प्रशासन की ज्यादातर गतिविधियां भी मोबाइल फोन से ही संपन्न होती हैं। लब्बोलुआब यह कि आज मोबाइल फोन सिर्फ सूचना पाने या देने का जरिया ना होकर, यह हमारी आधुनिक जीवनशैली का जरूरी हिस्सा बन चुका है।

रिलेशन अप्रोच करता है साबित

जब तक मोबाइल फोन नहीं थे, दुनिया में सिर्फ लैंडलाइन फोन ही थे, तब तक किसी से फोन पर बात करने या ना करने की हमारे पास भरपूर छूट हुआ करती थी। मान लीजिए किसी ऐसे व्यक्ति का फोन हमारे लैंडलाइन पर आया, जिससे हम बात नहीं करना चाहते, तो किसी और से कहला दिया जाता था कि आपको जिनसे बात करनी है, फिलहाल वो यहां मौजूद नहीं हैं। लेकिन अब इस तरह की छूट लेना संभव नहीं रहा, क्योंकि भले आपका मोबाइल फोन उठाकर कोई अन्य सदस्य कॉल करने वाले से यह कह दे कि आपको जिनसे बात करनी है, वो यहां मौजूद नहीं हैं, सिर्फ उनका मोबाइल फोन यहां छूट गया है। लेकिन अब आपकी ऐसी बातों पर कोई आसानी से यकीन नहीं करेगा। भले यह सौ फीसदी सच हो, क्योंकि मोबाइल फोन का मतलब होता है, ऐसा फोन जो सिर्फ आपके पास रहता है और जिसे आप ही उठाने या ना उठाने का निर्णय करते हैं। इसलिए आज के दौर में किसी का फोन अगर कोई नहीं उठाता, तो इसका साफ संदेश होता है कि

कॉलर की पहचान हुई आसान

आज की तारीख में मोबाइल फोन इसलिए एक सेंसिटिव, एटिकेट और रिलेशन का मानक बन गया है, क्योंकि आज तकनीक ने हमसे वो तमाम बहाने छीन लिए हैं, जिनकी बदौलत पहले हम यह भ्रम पाल सकते थे या किसी और से पलवा सकते थे कि वास्तव में हमें आपकी सही-सही पहचान का पता नहीं चलता था। लेकिन आज ऐसा नहीं है। करीब-करीब हर व्यक्ति के फोन में यह सुविधा है कि जब कोई फोन आ रहा हो

तो साफ पता चल सके कि फोन कौन व्यक्ति कर रहा है। जिन्हें अभी यह सुविधा उपलब्ध नहीं है या जो इसका उपयोग नहीं करते, उन्हें भी कम से कम इतना तो पता चल ही जाता है कि फोन कौन कर रहा है? अगर उसका फोन नंबर आपके मोबाइल में मौजूद है या उससे नियमित बात होती है तो।

लोकेशन भी बताता है फोन

अब तो कई ऐसी नई तकनीकें भी आ चुकी हैं, जिनके कारण लोगों का यह बहाना भी छिन गया है, जिसमें वे होते कहीं और थे, जबकि बताते कहीं और थे। इससे उन्हें बात ना करने की छूट मिल जाती थी। आज बहुत मामूली भुगतान पर ऐसे तकनीकी एप मौजूद हैं, जो आपको बताते हैं कि फोन करने वाला व्यक्ति कहां से फोन कर रहा है? यानी कॉलर की प्रेजेंट लोकेशन क्या है? इसलिए आप दिल्ली में बैठे हुए किसी व्यक्ति से यह नहीं कह सकते कि मैं मुंबई में हूं। बेहतर यही है कि मोबाइल से बात करते समय अपनी लोकेशन के बारे में सच ना छुपाएं।

यहां जिक्र की गई क्वालिटीज के अलावा भी फोन की तकनीक ने हमारी जिंदगी के बहुत सारी परतों को सबके सामने खोलकर रख दिया है। कुल मिलाकर कहने की बात यह है कि आज रोजमर्रा की जिंदगी में फोन हमारी जीवनशैली और रोजगार से लेकर भावनाओं के कारोबार तक का जरिया बन चुका है, इसलिए फोन का बहुत सटीक और जितना हो सके ईमानदार उपयोग करें, वरना आपकी सालों की बनी-बनाई इमेज को मोबाइल फोन पलक झपकने की देरी में डैमेज कर सकता है। *

फॉलो करें मोबाइल एटिकेट्स

मोबाइल फोन के पर्सनल यूज में सावधानियों के साथ शिष्टता का बर्ताव करते हुए कुछ प्रैक्टिकल टिप्स को भी याद रखना चाहिए।

- जब भी किसी क्लोज फ्रेंड या रिलेटिव से पब्लिक प्लेस या वर्कप्लेस पर बात करें तो उसके फोन को स्पीकर पर ना डालें। इससे फोन करने वाले को इंसल्ट महसूस होती है। उसे लगता है उसकी बातें दूसरे ऐसे लोग भी सुन रहे हैं, जिनको नहीं सुनना चाहिए, फिर चाहे भले ऐसा ना हो रहा हो।
- फोन से बात करते हुए कभी भी अपनी आवाज बहुत तेज ना करें। कोशिश करें कि किसी सार्वजनिक जगह पर फोन से तभी बात करें, जब आपके आस-पास 4-5 फीट तक कोई ना खड़ा हो।
- वो दिन बीत गए जब लोग धड़ल्ले से दूसरों का लैंडलाइन फोन इस्तेमाल किया करते थे। मोबाइल के दौर में दूसरे के फोन के इस्तेमाल की कोशिश ना करें। यदि मजबूरी में ऐसा करना हो तो बिना परमिशन ऐसा ना करें।
- अगर आप किसी मीटिंग या पब्लिक प्लेस पर हैं और बात नहीं कर सकते तो कॉल करने वाले को मैसेज से सूचना जरूर दे दें कि बाद में आप कॉल करेंगे। *

डिजिटल संवाद का पसंदीदा सिंबल इमोजी

व्हाट्सअप, मैसेंजर, एसएमएस, ई-मेल, फेसबुक या ट्विटर, सोशल मीडिया या डिजिटल कम्युनिकेशन का कोई भी ऐसा प्लेटफॉर्म नहीं है, जहां इन दिनों इमोजी का जमकर इस्तेमाल ना हो रहा हो। सच यही है कि आज की डिजिटल होती लाइफस्टाइल में इमोजी पूरी तरह फिट हो गई है।

{ टेक्नोलाइफ / लोकमित्र गौतम }

आज के दौर में पूरी दुनिया में लोग एक-दूसरे को जो डिजिटल मैसेज भेजते हैं, उनमें शायद ही किसी भी भाषा का कोई शब्द इतना ज्यादा इस्तेमाल होता हो, जितनी ज्यादा इमोजी का इस्तेमाल होता है। जी हां, वही छोटी-छोटी आकृतियां जिन्हें स्माइली भी कहा जाता है। दुनिया भर में हर दिन लोग आपस में डिजिटल संवाद करते हुए 6 बिलियन से ज्यादा बार इमोजियों का इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसा होना स्वाभाविक है, क्योंकि इमोजीज, डिजिटल संवाद को नए अर्थ ही नहीं, नए आयाम भी देती है। दरअसल, जब हम मन में उमड़-घुमड़ रहे असीमित भावों को शब्दों में व्यक्त कर पाने में असमर्थता महसूस करते हैं, तो ये छोटी-छोटी डिजिटल सिंबल्स हमारे बहुत काम आती हैं।

कहां से आई इमोजी: इमोजी, जापानी भाषा का शब्द है, जिसका मतलब होता है, चित्राक्षर। इ का मतलब होता है- चित्र और मोजी का मतलब अक्षर या वर्ण। इसे एक छोटी डिजिटल इमेज या आइकन भी कहा जा सकता है। इसका विकास साल 1997 में एक जापानी कलाकार शिगेताका कूरिता ने किया था। शिगेताका पेशे से इंजीनियर नहीं, अर्थशास्त्र से स्नातक थे और टेलीकॉम कंपनी डोकोमो में काम करते थे। उन्होंने ही पहली बार 176 इमोजी बनाए थे, जो दुनिया में इमोजीज का पहला सेट माना जाता है। इसमें 11X12 ग्रिड पर फिक्सेलेटिड रंगीन कार्प, सिलाई जैसे डिजाइन प्रस्तुत किए गए थे। इसके लिए सड़क संकेतों और चीनी अक्षरों से बनने वाले संकेतों का भी सहारा लिया गया था। इसका उद्देश्य उस जमाने में सेलफोन पर एक सीमित टेक्स्ट को असीमित आयाम देना था, क्योंकि उन दिनों 250 अक्षरों (कैरेक्टर्स) में ही अपना संदेश लिखने की बाध्यता होती थी। इस सीमा में रह कर अपने सीमित संदेश को कैसे असीमित आकार दें, इमोजी के संकेताक्षरों की खोज इसी उद्देश्य के लिए हुई थी।

यंगस्टर्स ने बढ़ाई पॉपुलैरिटी: वैसे कम्युनिकेशन में इमोजी का अस्तित्व पिछली सदी में ही अपनी जगह बना चुका था, लेकिन इसकी लोकप्रियता में उफान मौजूदा सदी के साल 2011 में तब आया, जब इसने धीरे-धीरे युवाओं को आपसी संवाद की भाषा में अपने इस्तेमाल के लिए आकर्षित किया। चार साल बाद सन् 2015 में 'ऑक्सफोर्ड इंग्लिश डिक्शनरी' ने इमोजी शब्द को अपने यहां जगह दी, जिस कारण इसे एक विश्वव्यापी परिभाषा मिली। ऑक्सफोर्ड इंग्लिश डिक्शनरी में इमोजी के लिए लिखा गया, 'फेस विद टीयर्स ऑफ जॉय।' इमोजी के बारे में अगर कहा जाए कि यह डिजिटल जनरेशन की सबसे पसंदीदा भाषा है, और पूरी दुनिया में इसकी एक जैसी वर्तनी और एक जैसी अभिव्यक्ति है, तो इसमें जरा भी अतिश्योक्ति नहीं होगी। यही वजह है कि बिना किसी प्रचार या प्रयास के भी आज हर दिन पूरी दुनिया में 6 बिलियन से ज्यादा इमोजीज का लोग आपसी संवाद में इस्तेमाल करते हैं। यह दुनिया की पहली ऐसी डिजिटल भाषा है, जो इस्तेमाल तो इमेज के रूप में होती है, लेकिन दिमाग में उसके भाव शब्दों के रूप में अर्थ पाते हैं। जून 2018 तक यूनिकोड 1,823 इमोजी को पहचानता था, जिनकी संख्या आज की तारीख में (यूनिकोड वर्जन 15.0 में) बढ़कर 3,664 हो चुकी है। यह चित्रमय भाषा दुनिया को, विशेषकर युवाओं को इस कदर आकर्षित कर रही है कि पिछले तीन सालों में इसका 775 प्रतिशत इस्तेमाल बढ़ा है। एक अनुमान के मुताबिक दुनिया भर में 92 प्रतिशत से ज्यादा मिलेनियल्स यानी, जिनका जन्म 21वीं में हुआ है, इसका प्रयोग करते हैं।

हर एज के लोग करते हैं यूज: 'एप बाय' नामक एक एप ने अपने सर्वे के जरिए यह निष्कर्ष निकाला है कि इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाले 78 फीसदी से ज्यादा लोग अपने टेक्स्ट मैसेजों में इमोजी का इस्तेमाल करते हैं। सबसे ज्यादा अपने लिखित संदेशों में इमोजी का इस्तेमाल करने वाले उपभोक्ताओं की उम्र 44 साल से कम होती है। जबकि 45 साल और उसके अधिक उम्र के लोग इनके इस्तेमाल को लेकर थोड़े उदासीन होते हैं, फिर भी 24 फीसदी इस उम्र के लोग भी इनका इस्तेमाल खूब करते हैं। *

{ गजल / डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग' }

झूठ के बाजार में

झूठ के बाजार में शाइस्तगी चलती नहीं
चापलूसी होती है पर मुफलिसी चलती नहीं
पेट की खातिर जलाना पड़ता खुद को रात-दिन
इश्क करने से किसी की जिंदगी चलती नहीं
वक्त आ जाए बुरा तो आगे बढ़कर जीस्त में
जूझना पड़ता है हरदम बुजदिली चलती नहीं
लोग मिलते हैं जहां में खुद-परस्ती के लिए
आजकल राहे वफा में दोस्ती चलती नहीं
दूर जाना पड़ता है सबको अकेले एक दिन
आसमां चलता नहीं ये सरजमीं चलती नहीं
शौक से जलता है परवाना शमा के सामने
बेखुदी के हाल में आवारगी चलती नहीं
रंग वो ही पालते हैं, जिनके मन में खोट है
हो खुलूसे दिल अगर तो दुश्मनी चलती नहीं

भाव श्रद्धा का न हो तो बंदगी किस काम की
आस्था के नाम पर दीवानगी चलती नहीं
सहना पड़ता है चमन का दर्द गुल के वास्ते
सिर्फ लफ्फाजी से 'नवरंग' शायरी चलती नहीं

{ पुस्तक चर्चा / सरस्वती रमेश }

स्त्री जीवन की कहानियां

बेटी को भले ही पराया धन माना जाता है लेकिन ब्याह के बाद भी एक बेटी अपने बाबुल को कभी पराया नहीं समझती। ताउम्र वह अपने मायके की खुशहाली के जतन में लगी रहती है। किसी कारणवश ब्याही बेटी को अगर मायके लौटना पड़े तो वह अपने ही घर मे बोझ बन जाती है। जलालत और रोज-रोज का क्लेश उसके जीवन का अंग बन जाता है। कुछ ऐसी ही बेटियों की संवेदनाओं और संघर्षों को बयां करती कहानियों का संग्रह है 'बाबुल और अन्य कहानियां।'

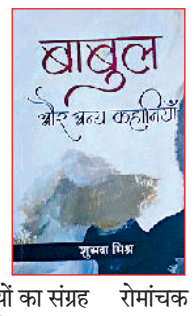

इस संग्रह में कुल दस कहानियां हैं। अधिकतर कहानियों में नायिकाएं बेटियां हैं। ये ऐसी बेटियां हैं, जो ससुराल से मायके में लौटते ही अपनों की आंखों की किरकिरी बन जाती हैं, फिर भी अपनी जिम्मेदारियों से पीछे नहीं हटती हैं। 'तारनहार', 'बाबुल', 'सजा' ऐसी ही बेटियों की कहानियां हैं। 'सजा' कहानी में नायिका को मिले कष्टों के साथ रिश्तों की बेमानी होने की पीड़ा को भी महसूस कर सकते हैं।

'छलावा' चालीस पार की एक स्त्री के प्रेम में पड़ने की कहानी है। लेखिका ने बड़ी बारीकी से नायिका के एहसासों को उकेरा है। 'कीमत' एक भुतहे घर की कीमत लगने की रोमांचक कहानी है। कहानियों की भाषा सहज-सरल है। यही वजह है कि पाठक इनसे सहज ही जुड़ जाता है। असल में ये ऐसी कहानियां हैं, जिनके कथानक हम अपने घर, परिवार, पड़ोस या रिश्तेदारी में देख सकते हैं। *

पुस्तक: बाबुल और अन्य कहानियां (कहानी संग्रह), **लेखिका:** शुभदा मिश्र, **मूल्य:** 200 रुपए, **प्रकाशक:** वैभव प्रकाशन, रायपुर

{ लघुकथाएं }

अनमोल अमानत

तन्मय बदहवास-सा भागता हुआ रद्दी का सामान लेने वाले मंगतलाल की दुकान पर आया। वह हांफ रहा था। सांसों को संभालते हुए तन्मय बोला, 'मेरे घर से अभी अभी रद्दी लेकर तुम्हीं आए थे ना चाचा। उसमें एक साड़ी थी, बहुत पुरानी। पत्नी ने गलती से रद्दी के सामान के साथ तुम्हें बेच दी है चाचा। उससे बहुत बड़ी भूल हो गई। मैं घर में होता तो बिना जांचे तुम्हें रद्दी का सामान नहीं बेचता। असल में मैं बाजार चला गया था कुछ सामान लाने।'

तन्मय की आवाज में अपनी अमानत को लेकर गहरी चिंता थी।

मंगतलाल किसी की आई हुई रद्दी तौल रहा था। रद्दी तराजू पर चढ़ाते हुए बोला, 'बहुत कीमती साड़ी थी क्या बेटा? उसमें सोना-चांदी तो नहीं जड़ा था?'

'नहीं सोना-चांदी तो नहीं जड़ा था। तांत की सफेद साड़ी थी। साइड में ब्लू रंग का बॉर्डर था।' तन्मय ने बताया। मंगतलाल कुछ नहीं बोला।

तन्मय ने आतुरता से पूछा, 'हमारे घर से जो रद्दी लाए थे, कहां रखी है आपने चाचा?'

मंगतलाल ने इशारे से बताया, 'वो देखो कोने में रखी हुई है, सफेद वाले बोरे में।' तन्मय तेजी से बोरे के पास गया, उसे खोलकर रद्दी खंगालने लगा। बोरे में नीचे सफेद साड़ी झांक रही थी। तन्मय की खुशी का ठिकाना ना रहा। वह खुशी से बोला, 'मंगत चाचा, मिल गई साड़ी!' मंगतलाल ने साड़ी को हाथ में लेकर देखा। सफेद रंग की साड़ी जगह-जगह से फटी हुई थी। मन ही मन उसने सोचा इसके तो कोई पांच रुपए भी ना देता। मंगतलाल मजाक में बोला, 'बेटा, पांच सौ रुपए लगेंगे इस साड़ी के।'

तन्मय ने झट से बटुए से पांच सौ रुपए का नोट निकाल कर मंगतलाल के हाथ पर रख दिया और बोला, 'चाचा, आपने बहुत कम पैसे इस साड़ी के मांगे हैं। अगर आपने पांच हजार रुपए भी मांगे होते तो मैं खुशी-खुशी दे देता। यह मेरी मां की आखिरी निशानी है।' तन्मय साड़ी लेकर आगे बढ़ने को हुआ तो मंगतलाल ने टोका, 'सुनो बेटा, मैंने अभी बहू को रद्दी के पैसे दिए नहीं हैं। सोचा था दोपहर जाकर दे आऊंगा। यह पांच सौ रुपए का नोट वापस रख लो। बड़ी अजीब बात है, कोई इतनी मामूली चीज के पांच सौ रुपए देने को तैयार है!'

'आपके लिए यह मामूली होगी मंगत चाचा। मेरे लिए तो यह अनमोल अमानत है। मेरी मां की आखिरी निशानी है यह साड़ी।' यह कहते हुए तन्मय की आंखें छलक आई थीं। *

-महेश कुमार केशरी

स्नेह

अमन बहुत दिनों से नोटिस कर रहा था कि उसके घर के पास काम करने वाला एक बुजुर्ग उसे घूरता रहता था। जब भी अमन वहां से गुजरता, वह बुजुर्ग उसे ध्यान से देखता रहता। कभी-कभी तो वह अमन को देखकर मुस्कुरा भी देता। अमन को लगता कि कहीं यह बुजुर्ग कोई चोर-उचक्का तो नहीं है, जो उस पर नजर बनाए हुए है। अवसर पाकर उसको लूट लेगा। लेकिन उसकी उम्र को देखकर नहीं लगता था कि वह ऐसा कुछ करेगा। फिर भी अमन को अजीब-सा डर सताए रहता था।

एक दिन अमन ऑफिस के लिए निकल रहा था। वह बुजुर्ग उसे

फिर दिखाई दे गया। आज भी वह अमन को एकटक देखे जा रहा था। उसने अमन को देखकर हल्की मुस्कान भी छोड़ी। अमन से रहा नहीं गया। वह उस बुजुर्ग के पास गया और कड़े शब्दों में पूछा, 'क्या आप मुझे जानते हैं? मुझे आप यूं घूरते क्यों हैं? आप दिमागी रूप से ठीक हैं ना?'

अमन की बातों को सुनकर बुजुर्ग थोड़ा हड़बड़ा गया। उसे जवाब देते नहीं बन पा रहा था। लेकिन वह बड़ी हिम्मत करके आहिस्ता से बोला, 'बेटा, मैं तो तुम्हें देखकर अपने बेटे को याद कर लेता हूं। वह अब तुम्हारी तरह जवान हो गया होगा। वह बारह साल पहले मुंबई कमाई करने गया था, तब से घर नहीं लौटा। पता नहीं कहां गायब हो गया? मैं यहां अपने गांव से बहुत दूर आकर मजदूरी कर अपना और अपनी पत्नी का किसी तरह पेट पाल रहा हूं। सात साल से घर नहीं गया। तुम्हें देखता हूं तो उसकी याद आ जाती है। तुम्हें देखकर मन को बहला लेता हूं कि वह भी तुम्हारी ही तरह दिखता होगा।' बुजुर्ग की बातें सुनकर अमन की आंखें भीग गईं। उसे अपनी सोच पर पछतावा हुआ। बुजुर्ग की आत्मीयता ने उसे अंदर तक स्नेह से भर दिया। *

-ललित शौर्य

पहचान

यह जनवरी की एक मखमली दोपहर थी। माहौल में शोखियां उरूज पर थीं। प्रदेश की कला अकादमी आज चित्रकार उमा को एक विशेष पुरस्कार से सम्मानित कर रही थी। उमा की सहेलियां तो उससे भी पहले सभा स्थल पर आ गई थीं। आती भी कैसे नहीं, उनकी सहेली उमा के साथ उन्हें भी तो उस समारोह की शोभा बनना था।

जब उमा की वह कलाकृति लगाई गई, जिसके लिए पुरस्कार मिलना था तो उसको देखकर सखियां हतप्रभ रह गईं। सखियों ने एक ही बार में पहचान लिया था कि कलाकृति में जो उदास-हताश बच्चे दिख रहे हैं, वह उमा की पुरानी काम वाली बाई के हैं। उमा ने अपनी कृति में गरीब बच्चों की

पीड़ा को उकेरा था, जिसे देखकर किसी का भी हृदय द्रवित हो सकता था।

तभी समूचा हाल ताली की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। उमा को मंच पर बुलाकर सम्मानित किया गया। उसके लिए बधाई और शुभकामनाओं की बरसात होने लगी। लौटते समय एक सहेली ने उमा से कहा, 'लेकिन उमा ये बच्चे तो अब बहुत ही अच्छे एथलीट हैं, स्कॉलरशिप भी पा रहे हैं। इस तरह उनकी अनुमति के बगैर उनका चित्र बनाकर तुमने गलत तो नहीं किया?'

'अरे, जाने दो यार, मेरे टुकड़ों पर पलते थे वे बच्चे। आज वो कौन-सा खुद को पहचान लेंगे।' कहकर उमा ने अपनी अवार्ड ट्रॉफी को गौरव-भाव से चूम लिया। *

-हरीश चंद्र पांडे

लेखक ध्यान दें...

लेखक रविवार भारती में प्रकाशनार्थ अपनी रचनाएं / लेख कृपया ई-मेल आईडी **haribhoomifeaturedep@gmail.com** पर भेजें।

हाल में शुरू हुए इस नए वर्ष में ही नहीं, आने वाले पूरे जीवन में आप खुशहाल रह सकते हैं, स्वस्थ-दीर्घायु भी पा सकते हैं। इसके लिए आपको अपने जीवन को जीने के तरीके में कुछ बदलाव करने होंगे। इस दिशा में प्रसिद्ध जापानी जीवनशैली ईकीगाई बहुत सहायक सिद्ध हो सकती है।

दीर्घायु-खुशहाल जीवन का जापानी तरीका ईकीगाई

{ जीवनशैली / शिखर चंद जैन }

इस दुनिया में हम सभी स्वस्थ दीर्घायु और खुशहाल जीवन चाहते हैं। वास्तव में ये दोनों ही एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। सेहत विज्ञानियों के अनुसार, जो लोग जिंदादिल और खुशहाल होते हैं, वे दीर्घायु भी होते हैं। लेकिन इनको हासिल करने के लिए आपकी मददगार हो सकती है जापानी जीवनशैली का अहम भाग, ईकीगाई। इस जापानी शब्द का मतलब है-मकसद। जी हां, जापानी जीवनशैली के अनुसार, अगर आपने अपने जीने का उद्देश्य या मकसद ढूंढ़ लिया, तो आप दूसरे लोगों की तुलना में दीर्घायु और खुशहाल होंगे। लंबी आयु के मामले में जापान के लोग दुनिया भर में जाने जाते हैं और वे इस बात पर पूरी गंभीरता से अमल भी करते हैं। आप भी इस वर्ष से अपने जीवन में ईकीगाई को शामिल कर सकते हैं।

हो चुके हैं कई अध्ययन

हजारों जापानी वयस्कों पर किए गए अध्ययन से पता चला है कि जिन लोगों ने अपने जीने का मकसद तय कर लिया है या जानते हैं, उनकी जिंदगी में तनाव कम होता है। इसी वजह से उनकी आयु लंबी होती है। ये सारे लोग जापान के ओकिनावा द्वीप के रहने वाले थे। अमेरिका में हुए एक अन्य अध्ययन में भी पाया गया कि जिन लोगों ने अपनी जीने का मकसद जान और समझ लिया, उनमें बिना लक्ष्य के जीने वालों की तुलना में मृत्यु का जोखिम 15 फीसदी तक कम होता है। माउंट सिनी सेंट ल्यूक एवं माउंट सिनाई रूजवेल्ट के शोधकर्ताओं ने अपने गहन अध्ययन के बाद यह निष्कर्ष निकाला है कि जीने का मकसद स्पष्ट रूप से समझने वालों की मृत्यु में अन्य सभी कारणों से 23 फीसदी और हार्ट डिजीज या स्ट्रोक से मृत्यु की 19 फीसदी संभावना कम हो जाती है। अध्ययन के मुखिया रैंडी कोहेन कहते हैं, 'जीने का उद्देश्य जानने और मृत्यु से सुरक्षा पाने के बीच बड़ा गहरा संबंध है। कनाडा की कार्लेटन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने दीर्घ आयु पर अध्ययन करते हुए पाया कि जिन लोगों ने अपने जीवन की दिशा तय कर रखी है और लक्ष्य निर्धारित कर रखे हैं, वे लंबी आयु पाते हैं। भले ही यह लक्ष्य अधेड़ अवस्था में ही क्यों न तय किया गया हो। 'साइकोलॉजिकल साइंस' में प्रकाशित इस अध्ययन के मुखिया पैट्रिक हिल हैं। अमेरिका स्थित शिकागो की रश यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर द्वारा किए गए एक अन्य अध्ययन के नतीजे में जीवन के उद्देश्य निर्धारण से ओल्ड एज में होन वाली अल्जाइमर्स डिजीज से मस्तिष्क की सुरक्षा की दिशा में फायदेमंद बताया गया है।

मकसद निर्धारण का फायदा

प्लानिंग करने और आने वाले समय में हासिल करने के लिए तय किए गए लक्ष्य को हासिल करने की जद्दोजहद आपके दिमाग को व्यस्त रखती हैं। साथ ही आपके तन को एक्टिव और फिट रखती है। इससे आप चिंताओं में उलझकर मानसिक रूप से परेशान होने या आलस्य के वशीभूत होने से बच जाते हैं। ये दोनों ही बातें, तन-मन की सेहत के लिए नुकसानदायक हैं। जब हम सुबह किसी काम को करने के उत्साह और लगन से उठते हैं तो हमारा मन प्रसन्न रहता है और लक्ष्य हासिल करने के लिए हम जल्दी-जल्दी एक के बाद एक काम निपटाते चले जाते हैं।

ऐसे तय करें लक्ष्य

अपनी जिंदगी का मकसद तय करने के लिए आपको खुद से कुछ सवाल पूछने होंगे और ईमानदारी से उनका जवाब देना होगा। जैसे-

मुझे क्या करना अच्छा लगता है : यहां आपको अपना सबसे खास शौक जानना होगा। ये शौक एक या उससे अधिक भी हो सकते हैं। इन्हें आप कभी ना छोड़ें, बशर्ते ये अच्छे, सकारात्मक और रचनात्मक हों। हर अच्छा शौक आपको कोई ना कोई फायदा जरूर देता है, चाहे वो तन को दुरुस्त रखता हो या मन को सुकून देता है। आप चाहे जितने व्यस्त रहें लेकिन इन्हें पूरा करने के लिए डेली या वीकली अपना कुछ वक्त जरूर दें।

मैं क्या अच्छा कर सकता हूं: यह आपके बिजनेस या पेशे से संबंधित होता है। आप किस काम को अच्छी तरह कर सकते हैं और किस काम को करने में आपकी अधिक दिलचस्पी है, यह आपको जरूर मालूम होना चाहिए। अगर आप अपनी क्षमता, दिलचस्पी से संबंधित काम करेंगे तो आपको हर दिन कुछ ना कुछ जरूर हासिल होगा, जिससे आपका उत्साह बना रहेगा, जिससे आपकी सफलता के चांसेज भी बढ़ेंगे।

लोग मुझसे क्या चाहते हैं: इस सवाल का जवाब देते समय उन लोगों के बारे में सोचें, जो आपके लिए वास्तव में महत्व रखते हैं। इनमें दो तरह के लोग होंगे- पहले, वे जो आपको शिद्दत से चाहते हैं। आप हमेशा उनका साथ और खुशी चाहते हैं। दूसरे तरह के लोग, जिनसे आपको फाइनेंशियल फायदा होता है। इससे आपको अपने दैनिक कामों और क्रियाकलापों को तय करने की दिशा भी मिलेगी, उन्हें करने में मजा भी आएगा। ये दोनों ही स्थितियां आपको उत्साह और प्रसन्नता देने वाली होंगी। इन्हीं 3 सवालों और उनके जवाबों में आपके जीने का मकसद छिपा है। *

ये भी हो सकते हैं लक्ष्य

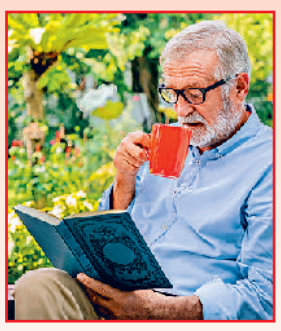

- अपने बच्चों को सही ढंग से पाल-पोस कर बड़ा करना।
- डेली कोई अच्छी-सी किताब पढ़ना। चाहे वह हेल्थ बुक हो, आध्यात्मिक पुस्तक हो, कहानियों की किताब हो।
- दिन भर काम करने के बाद शाम को पसंदीदा टीवी प्रोग्राम देखना या दोस्तों के साथ गपशप करना।
- किसी के प्रति आभार व्यक्त करना, जो कल आपके काम आया था या आपकी मदद की थी।
- अपनी मां, बहन, पत्नी, पति या किसी अन्य निकट संबंधी के लिए कुछ स्पेशल करना है। उनके साथ खुशी बांटनी है। *

{ धर्म-संस्कृति / आर.सी.शर्मा }

धार्मिक-स्वास्थ्य की दृष्टि से

बहुत महत्वपूर्ण है पौष माह

हिंदू पंचांग के मुताबिक पौष मास या पूस का महीना मार्गशीर्ष या अगहन महीने की पूर्णिमा के अगले दिन से शुरू होता है। यह हिंदू पंचांग का दसवां महीना होता है। 27 दिसंबर 2023 से शुरू होकर यह माह 25 जनवरी 2024 को खत्म होगा। इस महीने की पूर्णिमा को चंद्रमा पुष्य नक्षत्र में होता है, इसलिए इस महीने का नाम पौष रखा गया है। इस महीने का जितना धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व है, उससे कहीं ज्यादा इसका सेहत के नजरिए से भी महत्व है।

सूर्यदेव को समर्पित माह: धार्मिक दृष्टि से देखा जाए तो यह महीना भगवान सूर्य को समर्पित है। इस वजह से इस महीने में सूर्यदेव की पूजा करने पर सबसे ज्यादा महत्व है। सूर्य की पूजा से बहुत शुभ फल मिलते हैं। पूरे पौष माह नियमित रूप से सूर्यदेव को जल चढ़ाने से ना सिर्फ घर में संपन्नता आती है, बल्कि मान-सम्मान में भी वृद्धि होती है। धार्मिक विधान के मुताबिक पौष माह में हर रविवार को सूर्यदेव का व्रत रखना चाहिए। उन्हें अर्घ्य देकर तिल, चावल और खिचड़ी का भोग लगाना चाहिए। स्नान, ध्यान के बाद नियमित रूप से सूर्य भगवान की पूजा और सूर्य मंत्र का जाप करना चाहिए। सनातन धर्म में सूर्य को प्रधान देवता माना गया है। ग्रंथों के मुताबिक पौष माह में सूर्य के भग स्वरूप की पूजा करनी चाहिए। शास्त्रों के मुताबिक धर्म, यश, श्री, ज्ञान, ऐश्वर्य और वैराग्य को भग कहते हैं। इनसे युक्त को ही भगवान माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक इस माह जो व्यक्ति प्रतिदिन सूर्यदेव को अर्घ्य देता है और उनकी उपासना करता है, उन्हें ज्ञान, सुख और समृद्धि की प्राप्ति होती है। पौष माह में पूजा, पाठ और जप तप करने से आरोग्यता की प्राप्ति होती है।

बहुत कुछ है पौष माह में खास : पौष माह श्राद्धकर्म और पिंडदान के लिए भी उत्तम माना जाता है। माना जाता है कि इस माह में पैदा होने वाले लोग बुद्धिमान, धनवान, शूरवीर और कठोर होते हैं। इस महीने को छोटा पितृ पक्ष भी कहते हैं। मान्यता के मुताबिक पितृ पक्ष की तरह इस माह भी पूर्वजों के लिए खास पूजा की जाती है। लेकिन इस महीने गृहप्रवेश या विवाह जैसे धार्मिक समारोह नहीं करने चाहिए।

स्वास्थ्य की दृष्टि से अहम: स्वास्थ्य की दृष्टि से भी यह महीना बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस महीने में मिलने वाली सूर्य की हल्की गरमाहट भरी धूप से शरीर को भरपूर विटामिन डी मिलती है। आयुर्वेद के मुताबिक पौष मास में ब्रह्म मुहूर्त में जगने से शरीर में वात, पित और कफ का संतुलन बना रहता है। हम चुस्त, दुरुस्त और तरोताजा महसूस करते हैं। इस मौसम में जठराग्नि तेज होती है, इसलिए डायटीशियन भी इस मौसम में गेहूं, तिल और गुड़ से बनी चीजों के खाने की सलाह देते हैं। इस मौसम में तांबे के बर्तन में रखा पानी पीया जाए तो शरीर में धातुओं का बैंलेस बना रहता है। हम सब जानते हैं कि सूर्य की किरणें ना सिर्फ हमें जीवन देती हैं, बल्कि रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाती हैं और सूर्य की किरणें सबसे गुणकारी इसी माह में होती हैं। लेकिन इस महीने बैंगन, मूली, फूलगोभी और उड़द-मसूर की दालों का सेवन नहीं करना चाहिए। *

होती है मोक्ष की प्राप्ति

इस माह की पूर्णिमा का भी विशेष महत्व होता है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक इस दिन विधिपूर्वक पूजा करने से व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है। इसलिए पौष पूर्णिमा के दिन पवित्र नदियों में स्नान और सूर्यदेव को अर्घ्य देने की परंपरा है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक पौष पूर्णिमा पर काशी या त्रिवेणी के संगम में स्नान और दान किया जाए तो अक्षय पुण्य फल की प्राप्ति होती है। पौष माह की पूर्णिमा के दिन पवित्र जल में स्नान करने से वही पुण्य लाभ मिलता है, जो पूरे महीने की पूजा पाठ से मिलता है। धन और संतान देने वाला माना गया है। *

{ विज्ञान-तकनीक/ संजय श्रीवास्तव }

इस साल और बढ़ेगी

भारत की ख्याति

विगत वर्ष के ठोस आधार पर इस साल विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में देश बहुत कुछ नवनिर्माण करेगा और शोध विकास में आगे बढ़ेगा। इस साल भारत की संभावित उपलब्धियों पर एक नजर।

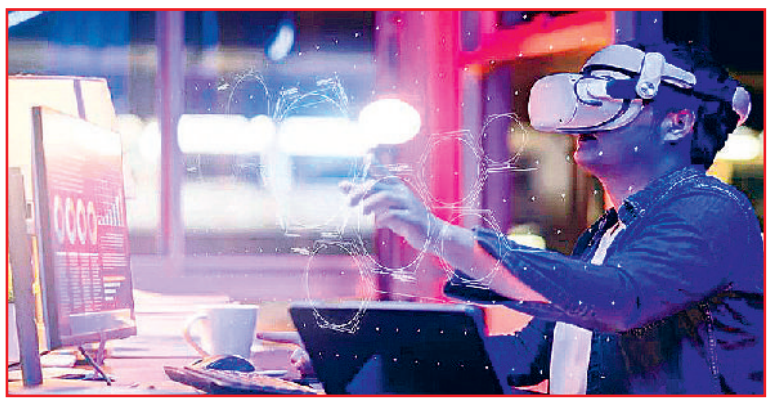

विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में आगामी सालों में देश को जो ढेरों उम्मीदें हैं, इसमें से कई के इसी साल पूरी होने की आशा है। वजह है, पिछले वर्षों में देश का इस क्षेत्र में किया गया शानदार प्रदर्शन। सकारात्मक सरकारी रुझान और कुछ विकसित देशों से हुए महत्वपूर्ण समझौतों के साथ हमारे वैज्ञानिकों, तकनीकविदों, संबंधित संस्थानों की उत्कृष्ट प्रतिबद्धता। पिछले बरस जिन परियोजनाओं की शुरुआत हुई थी, इस साल संभव है कि उनको अमली जामा पहना दिया जाए।

एआई में आएगा बहुत कुछ नया: एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमता का क्षेत्र सबसे ऊपर रहने वाला है। इस क्षेत्र में पिछले कुछ बरसों से भारत बेहतरीन प्रदर्शन कर रहा है। इस साल 2024 में वह ग्लोबल पार्टनरशिप ऑन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी जीपीएआई की अध्यक्षता करेगा। संभव है कि इस बार कोई बेहद चौंकाने वाली चीजें सामने आएं। फिलहाल चैट जीपीटी का विकल्प बनने का ही नहीं, उससे कई गुना आगे निकलने वाले 12 भारतीय सहित 120 भाषाओं में इसका प्रदर्शन संभव है।

6जी में होंगे सबसे आगे: इंटरनेट के क्षेत्र में 5जी के बाद उम्मीद है कि साल के आखिर तक अब 6जी तकनीक भी लांच हो जाएगी। यदि यह संभव हुआ तो हम इस मामले में जापान को पीछे छोड़ देंगे। यही नहीं हम दक्षिण कोरिया, चीन और फिनलैंड से भी आगे होंगे, जो 6जी की अभी तैयारी कर रहे हैं। बेशक यह एक बड़े बदलाव का वाहक बनेगा।

इसरो के कई प्रोजेक्ट्स होंगे पूरे: इसरो इसी साल अपने अति महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट गगनयान को लांच करेगा। निर्णायक प्रक्षेपणपूर्व वह कुछ परीक्षण करेगा, सुरक्षा उपायों को परखेगा। इसके अलावा इसरो इस साल लगभग 10 महत्वपूर्ण मिशन लांच करने वाला है और कुछ उल्लेखनीय तकनीक विकसित कर विश्वपटल पर अपना नाम दर्ज कराएगा। बीते बरस इसरो ने कहा था कि अंतरिक्षीय मिशन में महत्वपूर्ण तकनीक प्रणाली ईसीएलएसएस वह खुद विकसित करेगा। अब तक वह केवल रॉकेट और उपग्रह बनाता रहा था, उसे उम्मीद थी कि विदेशों से हुए कई समन्वयकारी समझौतों के तहत इसकी तकनीक हासिल करके वह इसे अपने वहां बना लेगा, लेकिन जब कई दौर की बातचीत के बावजूद कोई राजी ना हुआ तो उसने इसे अपने स्तर पर विकसित करने का फैसला लिया। इस बरस इसका विकास इस क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा। उम्मीद है आज या कल में आदित्य एल-1 अपने मुकाम यानी धरती से 15 लाख किमी. दूर लैग्रेंज प्वाइंट पर पहुंच जाएगा। यह उसकी एक और बड़ी उपलब्धि साबित होगी।

इस साल इसरो अपने द्वारा विकसित पीएसएलवी, जीएसएलवी और एलबीएम-3 के जरिए उपग्रहों को प्रक्षेपित करेगा। एसएसएलवी की तीसरी विकास उड़ान पर गगनयान कार्यक्रम के तहत दो मानव रहित मिशन के अलावा वह इनसैट 3डीएस, एक्स-रे, पोलरीमीटर और दूसरे महत्वपूर्ण उपग्रह भी लांच करेगा। साल के आखिर में शुक्रयान की तैयारी है तो मध्य में मंगलयान-2 की। गगनयान मिशन में मानव सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए, इंजीनियरिंग प्रणालियों और मानव केंद्रित प्रणालियों सहित

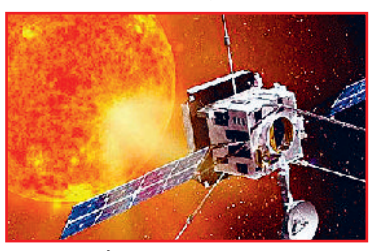

विभिन्न नई प्रौद्योगिकियों को विकसित करने के परिणाम इसी साल दिखेंगे। विभिन्न स्थितियों के तहत गगनयान क्रू एस्केप सिस्टम के लिए एक परीक्षण वाहन का उपयोग करने वाले कई उप-कक्षीय मिशनों की भी योजना इस वर्ष लागू होगी।

महाराष्ट्र के हिंगोली में एलआईजीओ-इंडिया नाम से जो लेजर इंटरफेरोमीटर ग्रैविटेशनल वेव ऑब्जर्वेटरी विकसित किया जाना शुरू किया गया है, जो ब्लैकहोल और न्यूट्रन स्टार जैसे विशाल खगोल भौतिकी वस्तुओं के विलय के दौरान उत्पन्न गुरुत्वाकर्षण तरंगों की पहचान करने में सक्षम है। उसमें इस बरस उल्लेखनीय प्रगति दिख सकती है।

कंप्यूटिंग टेक्नोलॉजी में तरक्की: इस बरस कई वजहों से साइबर सुरक्षा बड़ी चिंता होगी, इसलिए ब्लॉकचेन तकनीक में प्रगति लाजिमी है। स्मार्ट सिटी की परियोजनाएं इस बरस भी पूरी नहीं होंगी, लेकिन क्रिप्टोग्राफी, पदार्थ विज्ञान में क्रांति करने में समर्थ क्वांटम कंप्यूटिंग टेक्नोलॉजी में इस बरस महत्वपूर्ण प्रगति दिखेगी। इसी साल मेटावर्स का तेजी से विस्तार हो सकता है। कुछ विश्लेषक कहते हैं कि मार्क जुकरबर्ग 2024 में मेटावर्स को विस्तार देंगे तो इसका असर भारत में भी दिखेगा।

विज्ञान महोत्सवों का होगा आयोजन : छात्रों, शिक्षकों, वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, उद्योग के पेशेवरों, उद्यमियों तथा विज्ञान संप्रेषकों जैसे व्यक्तियों के लिए एक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव का 9वां संस्करण 17 से 20 जनवरी 2024 तक हरियाणा के फरीदाबाद में आयोजित होगा। कुल मिलाकर विज्ञान-तकनीक क्षेत्र का परिदृश्य इस वर्ष उत्साहवर्धक रहने वाला है। *

अंडरग्राउंड सिटी कूबर पेडी

{ रोचक }

ऑस्ट्रेलिया में एक ऐसा शहर मौजूद है, जो जमीन के नीचे बसा हुआ है। कूबर पेडी नाम के इस शहर को दुनियाभर में अंडरग्राउंड सिटी के नाम से भी जाना जाता है।

कूबर पेडी शहर के बसने के पीछे बड़ी रोचक कहानी है। दरअसल, इसके बसने की शुरुआत आज से करीब 110 साल पहले हुई थी। जहां आज यह शहर मौजूद है, वहां बेशकीमती ओपल जेमस्टोन काफी मात्रा में पाए जाते थे। बता दें, ओपल जेमस्टोन एक महंगा रत्न होता है, जिसे अंगूठी में लगाकर पहना जाता है। इस शहर को 'ओपल कैपिटल ऑफ द वर्ल्ड' के नाम से भी जाना जाता है। इस पाताललोक शहर में स्वीमिंग पूल, पब और होटल जैसी सभी सुविधाएं मौजूद हैं और यहां गोल्फ कोर्स और म्यूजियम भी हैं। यहां कई फिल्मों की शूटिंग भी की जा चुकी है। मीडिया रिपोर्ट की माने तो, इस शहर के करीब दो हजार लोग अंडरग्राउंड घरों में ही रहते हैं।

कूबर पेडी रेतीली और चट्टानी जगह है और यहां के मौसम का मिजाज तेजी से बदलता रहता है। रेगिस्तान में होने की वजह से यहां का तापमान सामान्य से बहुत अधिक रहता है। तेज गर्मी से खुद को बचाने के लिए यहां के लोग उन गड्ढों में घर बनाकर रहते हैं, जो ओपल जेमस्टोन के खनन की वजह से बन गए थे। धरातल से नीचे होने की वजह से इन गड्ढों में बने घरों में तापमान कम होता है। इसकी वजह से यहां रहने वाले लोगों को गर्मी से बचने के लिए कूलर, पंखे और एसी की जरूरत नहीं पड़ती है। यहां बने हाइब्रिड एनर्जी पावर प्लांट से शहर की 70 फीसदी पावर की जरूरत पूरी होती है। बड़ी संख्या में देश-विदेश के लोग इस शहर को देखने के लिए आते हैं। *

-हरीशचंद्र पांडे

{ बड़ा पर्दा / हेमंत पाल }

अगर आप फिल्मों के शौकीन हैं तो अपनी फेवरेट फिल्म या हीरो का कोई ना कोई डायलॉग जरूर याद होगा। ब्लैक एंड व्हाइट के जमाने से लेकर हाल के दशकों तक की कई फिल्मों के ऐसे पॉपुलर डायलॉग्स हैं, जिन्हें लोग आज भी नहीं भूल पाए हैं।

आज भी हैं लोगों को याद पॉपुलर फिल्मी डायलॉग

समाज को सिनेमा बहुत ज्यादा प्रभावित करता है। यह तथ्य अच्छे और बुरे दोनों संदर्भों में है और भाषा के संबंध में भी। सिनेमा में प्रयुक्त हर शब्द और संवाद का अपना अलग असर होता है। अगर समाज में किसी शब्द, वाक्य या विचार को चलन में लाना है, तो उसका फिल्म में प्रयोग करके उसको लोकप्रिय बनाया जा सकता है। ऐसे कई शब्द और संवाद हैं, जो सिर्फ सिनेमा की वजह से चलन में आए। आशय यह कि सिनेमा के संवादों की भाषा के प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वास्तव में जीवन में हम सिनेमा की भाषा से पात्रों के व्यवहार को समझते हैं और दृश्यों से कथानक को। फिल्म देखने के बाद तो कई संवाद हमारी बोल चाल का हिस्सा तक बन जाते हैं। कुछ फिल्मों के संवाद फिल्म इतिहास में बहुत ज्यादा चर्चित हुए हैं। फिल्म के कुछ संवाद लोगों की जुबान पर ऐसे चढ़ गए, जैसे उन्हीं के लिए लिखे गए हों।

'शोले' का फेमस डायलॉग- 'कितने आदमी थे?'

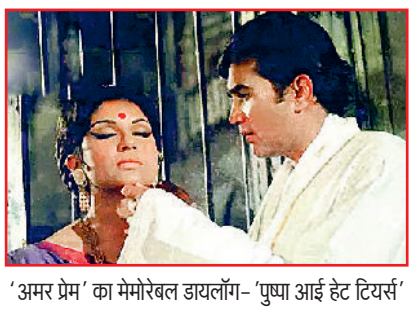

'अमर प्रेम' का मेमोरेबल डायलॉग- 'पुष्पा आई हेट टियर्स'

पुराने दौर से जारी है सिलसिला: इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि कहानी किसी भी फिल्म की जान होती है। कहानी ही फिल्म में रंग भी भरती है। लेकिन उसी कहानी में अगर सटीक और प्रभावी संवादों का सहारा मिल जाए तो फिल्म की पहचान सालों तक बनी रहती है। हालांकि अब फिल्मों में याद रह जाने लायक संवाद कम ही सुनाई देते हैं। आजादी से पहले जरूर कुछ फिल्में सिर्फ संवादों की वजह से ही चर्चित हुई थीं। सोहराब मोदी की 'पुकार' और 'सिकंदर' ऐसी ही फिल्में थीं। बीआर चोपड़ा की 'कानून' और 'इंसाफ का तराजू' में संवादों से ही कानून की कमियों को उभारा गया।

'मुगले आजम' में पृथ्वीराज

डायलॉग्स से मिली फिल्मों को पहचान: कुछ फिल्में तो सिर्फ उनके संवादों के कारण ही आजतक याद की जाती हैं। ऐसी फिल्मों में 'मुगले आजम', 'शोले', 'दीवार' सबसे प्रमुख हैं। पृथ्वीराज कपूर द्वारा 'मुगले आजम' में बोला गया संवाद 'सलीम की मोहब्बत तुम्हें मरने नहीं देगी और हम तुम्हें जीने नहीं देंगे।' इसी तरह 'शोले' का डायलॉग 'तेरा क्या होगा कालिया!' और 'कितने आदमी थे?' और इसी तरह 'दीवार' का डायलॉग 'मेरे पास मां है।' ऐसे संवाद हैं, जिनको सुनते ही पूरी फिल्म याद आ जाती है। सहजता से बोले गए इन संवादों ने फिल्मों को कालजयी बनाने में खास योगदान दिया।

'मिस्टर इंडिया' में अमरीश पुरी

ये डायलॉग्स भी हुए पॉपुलर: अमिताभ बच्चन का फिल्म 'डॉन' का संवाद 'डॉन का इंतजार तो ग्यारह मुल्कों की पुलिस कर रही है, लेकिन डॉन को पकड़ना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन है।' आज भी सुनाई देता है, तो आंखों के सामने अमिताभ का शातिर चरित्र घूम जाता है। शत्रुघ्न सिन्हा जब अपने करियर के शिखर पर थे, तब 'कालीचरण' और 'विश्वनाथ' के संवाद गली-गली में सुनाई देते थे और भी उनकी पहचान बने हुए हैं।

डायलॉग्स ने बना दी इमेज: संवादों का जोरदार असर तभी अच्छा होता है, जब उसे उसी शिद्दत से बोलने वाला एक्टर भी मिले। तभी हर संवाद चरित्र की पहचान से जुड़ता भी है। राजकुमार, शत्रुघ्न सिन्हा और नाना पाटेकर के संवादों में अकड़ की झलक देखी गई है। लेकिन, राजकुमार के 'पाकीजा' में बोले गए उनके एक संवाद ने उनकी पहचान ही बदल दी थी। वो संवाद था 'आपके पैर देखे, बहुत हसीन हैं। इन्हें जमीन पर मत उतारिएगा मैले हो जाएंगे।' इसी तरह रोमांटिक हीरो राजेश खन्ना का 'अमर प्रेम' का संवाद 'पुष्पा, आई हेट टियर्स।' लोग भूले नहीं हैं।

विलेन के पॉपुलर डायलॉग: अजित, प्रेम चोपड़ा और अमरीश पुरी के बोले हर संवाद में क्रूरता का अंदाज झलकता था। प्रेम चोपड़ा का 'बॉबी' में बोला गया संवाद कितना सहज है 'प्रेम नाम है मेरा, प्रेम चोपड़ा।' लेकिन उनकी अदायगी की क्रूरता ने इसे यादगार बना दिया। 'कालीचरण' में अजित का संवाद 'सारा शहर मुझे लॉयन के नाम से जानता है' और 'मिस्टर इंडिया' में अमरीश पुरी का 'मोगैंबो खुश हुआ।' भी अपने अंदाज की वजह से यादगार बना हुआ है। *